PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/
निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■अलीगढ, शनिवार 15 अगस्त 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

मडराक मंडल में निकली भव्य तिरंगा यात्रा राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा क्षेत्र

पत्रकार भानु प्रकाश सैनी की रिपोर्ट अलीगढ़। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को मडराक मंडल अध्यक्ष अनिल तौमर के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। नगर पंचायत कार्यालय से प्रारंभ हुई तिरंगा यात्रा में क्षेत्रीय जनता एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र देशभक्ति के नारों से गूंज उठा। तिरंगा यात्रा के मुख्य अतिथि कोल विधानसभा के लोकप्रिय विधायक अनिल पाराशर रहे। कार्यक्रम में तिरंगा यात्रा के महानगर संयोजक एवं महानगर उपाध्यक्ष राधेश्याम, महानगर उपाध्यक्ष हिम्मत सिंह लोधी, महानगर महामंत्री निखिल माहेश्वरी, नगर पंचायत अध्यक्ष राजकुमार दिवाकर सहित वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर निगम के पार्षदगण एवं नगर पंचायत के सभासदगण भी उपस्थित रहे। मडराक मंडल तिरंगा यात्रा के संयोजक शैलेंद्र माहौर तथा सहसंयोजक शैलेंद्र राघव एवं सतीश कुशवाहा ने यात्रा के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तिरंगा यात्रा में मंडल कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारी, शक्ति केंद्र संयोजक, शक्ति केंद्र प्रवासी, बूथ अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय कार्यकर्ता शामिल हुए। यात्रा नगर पंचायत कार्यालय से प्रारंभ होकर राठी चौक सहित निर्धारित मार्ग से होते हुए पुनः नगर पंचायत कार्यालय पहुंची। तिरंगा यात्रा की मीडिया कवरेज एवं प्रचार-प्रसार का दायित्व मंडल मीडिया प्रभारी मोहित प्रताप सिंह एवं मंडल कोषाध्यक्ष योगेश गुप्ता ने पूरी मेहनत, लगन एवं समर्पण के साथ निभाया।

दोनों पदाधिकारियों के अथक प्रयासों से यात्रा के कार्यक्रम एवं गतिविधियों को मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक रूप से लोगों तक पहुंचाया गया। मंडल अध्यक्ष अनिल तौमर ने तिरंगा यात्रा को सफल बनाने के लिए समस्त क्षेत्रीय जनता, वरिष्ठ पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है। सभी के सामूहिक सहयोग, उत्साह एवं राष्ट्रप्रेम से तिरंगा यात्रा भव्य एवं सफल रही।

हाथरस में दर्दनाक हादसा: नायब तहसीलदार की सरकारी गाड़ी की टक्कर से दादा-पोते की मौत, एंबुलेंस में देरी पर ग्रामीणों का आक्रोश

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस में शुक्रवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में दादा और उसके छह वर्षीय पोते की मौत हो गई। हादसा हाथरस जंक्शन कोतवाली क्षेत्र में सलेमपुर गांव के पास हुआ। बताया जा रहा है कि मोपेड सवार दादा-पोते को सामने से आ रही एक सरकारी गाड़ी ने जोरदार टक्कर मार दी। सरकारी वाहन सिकंदराराऊ के नायब तहसीलदार का बताया जा रहा है, जिस पर 'मजिस्ट्रेट' लिखा हुआ था। जानकारी के अनुसार, ठूलई गांव निवासी सुभाष चंद्र सिंह खेतीबाड़ी का काम करते थे। शुक्रवार को वह अपने छह वर्षीय नाती दक्ष को चाऊमीन खिलाने के लिए सलेमपुर लेकर गए थे। शाम को दोनों मोपेड से वापस गांव लौट रहे थे। इसी दौरान सलेमपुर के पास उनकी मोपेड की सरकारी वाहन से जोरदार भिड़ंत हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि सुभाष चंद्र और उनका छह वर्षीय नाती दक्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए। ग्रामीणों का आरोप है कि घायल मासूम काफी देर तक घटनास्थल पर तड़पता रहा और एंबुलेंस करीब दो घंटे बाद पहुंची। एंबुलेंस पहुंचने में हुई कथित देरी को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बच्चे को समय पर चिकित्सा सहायता मिल जाती तो शायद उसकी जान बच सकती थी। हालांकि, बच्चे की मौत का वास्तविक कारण और चिकित्सा सहायता में देरी का उसकी मौत पर क्या प्रभाव पड़ा, यह मेडिकल रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने मौके पर कुछ वाहनों में तोड़फोड़ कर दी। इससे घटनास्थल पर तनाव की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना में शामिल सरकारी वाहन को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया। बताया जा रहा है कि हादसे के समय नायब तहसीलदार भी सरकारी गाड़ी में मौजूद थे। मामले में पुलिस ने संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अब जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, सरकारी वाहन की रफ्तार कितनी थी और दुर्घटना के बाद एंबुलेंस को पहुंचने में कथित तौर पर इतनी देरी क्यों हुई। एक ही हादसे में दादा और छह साल के मासूम पोते की मौत से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। वहीं, हादसे के बाद एंबुलेंस की कथित देरी और ग्रामीणों के आक्रोश ने प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस की जांच और मेडिकल रिपोर्ट के बाद ही हादसे की पूरी तस्वीर साफ हो सकेगी।

80th Independence Day: हर साल अलग रंग, हर बार खास अंदाज; लाल किले पर लाल टाई-एंड-डाई पगड़ी में दिखे PM मोदी

2014 से लेकर अब तक स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी की पगड़ी उनके पहनावे का एक खास हिस्सा बनने के साथ-साथ भारत की अलग-अलग क्षेत्रीय और सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाने वाली पहचान भी बन गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हुए अपने पहनावे से भी खास संदेश दिया। सफेद कुर्ते और चॉकलेट ब्राउन जैकेट के साथ उनकी लाल टाई-एंड-डाई पगड़ी ने सबका ध्यान खींचा। राजस्थानी और गुजराती परंपरा से जुड़ी इस पगड़ी में भारतीय संस्कृति और विविधता की खूबसूरत झलक देखने को मिली। खास बात यह है कि स्वतंत्रता दिवस पर पीएम मोदी की पगड़ी अब उनके पहनावे का एक अलग पहचान बन चुकी है, जिसमें हर साल देश के अलग-अलग हिस्सों की पारंपरिक कला और रंग नजर आते हैं।

सफेद कुर्ते और चॉकलेट ब्राउन जैकेट के साथ खास अंदाज

मोदी ने अपने सफेद कुर्ते और चॉकलेट ब्राउन वेस्ट (जैकेट) के साथ यह पारंपरिक पगड़ी पहनी, जो राजस्थानी और गुजराती संस्कृति में आम है। उन्होंने केसरिया, हरे और सफेद रंग के तीन पॉकेट स्क्वायर भी लगाए थे।

स्वतंत्रता दिवस पर पगड़ी बनी मोदी की खास पहचान

स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पगड़ियां अब अपने आप में एक खास विजुअल परंपरा बन गई हैं। हर साल उनकी पगड़ी के रंग, डिजाइन और शैली में अलग-अलग भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं की झलक देखने को मिलती है।

2025: चमकदार राजस्थानी लहरिया पगड़ी

पिछले साल उन्होंने चमकदार राजस्थानी लहरिया पगड़ी पहनी थी, जिसमें नारंगी, पीले और हरे रंगों की झलक थी। यह पगड़ी परंपरा के सम्मान के साथ-साथ भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक भी थी।

2014: जोधपुरी बांधेज पगड़ी से हुई शुरुआत

2014 में प्रधानमंत्री के तौर पर अपने पहले स्वतंत्रता दिवस पर नरेंद्र मोदी ने गहरे लाल रंग की जोधपुरी बांधेज पगड़ी पहनी थी। इसके बाद हर साल उनकी पगड़ियों में रंगों और शैलियों की खास विविधता देखने को मिली।

2024: रंग-बिरंगी पगड़ी

2024 में भी प्रधानमंत्री मोदी की पगड़ी ने स्वतंत्रता दिवस के लुक में खास आकर्षण जोड़ा और उनकी पारंपरिक शैली को आगे बढ़ाया।

2023: बांधनी प्रिंट वाली पगड़ी

2023 में उन्होंने पीले, हरे और लाल रंगों के शेड्स वाली बांधनी प्रिंट की पगड़ी चुनी थी। इसे उन्होंने काली वी-नेक जैकेट के साथ पहना था।

2022: केसरिया पगड़ी और नीली जैकेट

2022 में उन्होंने लाल डिजाइन और लंबे लटकते हुए सिरों वाली केसरिया पगड़ी पहनी थी। इसे उन्होंने नीली जैकेट और स्टोल के साथ मैच किया था।

2021: क्रीम और केसरिया रंग का मेल

2021 में क्रीम और केसरिया रंग की पगड़ी उनके हाफ-स्लीव कुर्ते के साथ खूब जंची थी।

2020: सफेद स्कार्फ

2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान उन्होंने केसरिया बॉर्डर वाले सफेद स्कार्फ का इस्तेमाल चेहरे को ढकने के लिए किया था।

2019: पारंपरिक रंगों की झलक

2019 में भी उनकी पगड़ी में भारतीय पारंपरिक रंगों और शैली की झलक देखने को मिली।

2018: केसरिया रंग की दमदार छाप

2018 में केसरिया रंग ने उनकी पगड़ी में एक दमदार और खास छाप छोड़ी।

2017: गहरे लाल और पीले रंग की पगड़ी

2017 में उन्होंने गहरे लाल और पीले रंग की पगड़ी चुनी थी, जिसमें पारंपरिक भारतीय रंग संयोजन नजर आया।

2016: गुलाबी-पीली टाई-एंड-डाई पगड़ी

2016 में उन्होंने गुलाबी और पीले रंग की टाई-एंड-डाई पगड़ी पहनी थी।

2015: पीली और बहुरंगी क्रिस-क्रॉस पगड़ी

2015 में उन्होंने पीली और कई रंगों वाली क्रिस-क्रॉस पगड़ी पहनी थी।

15 अगस्त 1947 की सुबह: अलीगढ़ की गलियों में गूंजा, देश आजाद हो गया और अंग्रेज चले गए, बंटी जलेबी

15 अगस्त 1947 को आजादी की खबर जब अलीगढ़ शहर तक पहुंची, तब ये बुजुर्ग बच्चे या किशोरावस्था में हुआ करते थे। आजादी का पूरा मतलब तब भले न समझ पाए हों, लेकिन उस सुबह की खुशी, गलियों में गूंजते नारे और हाथ में आई जलेबी आज भी उनकी स्मृतियों में ताजा हैं। कचौड़ी के साथ जलेबी का नास्ता अलीगढ़ की पहचान है, लेकिन यहां के बुजुर्गों के लिए इसकी मिठास में एक ऐसी भी याद घुली है, जो 79 साल बाद भी फीकी नहीं पड़ी। 15 अगस्त 1947 को आजादी की खबर जब शहर तक पहुंची, तब ये बुजुर्ग बच्चे या किशोरावस्था में हुआ करते थे। आजादी का पूरा मतलब तब भले न समझ पाए हों, लेकिन उस सुबह की खुशी, गलियों में गूंजते नारे और हाथ में आई जलेबी आज भी उनकी स्मृतियों में ताजा हैं। जब उनसे स्वतंत्र भारत की उस पहली सुबह के बारे में पूछा तो उनकी आंखों में वही चमक लौट आई और बात निकल पड़ी, जलेबी की मिठास में घुल गई थी आजादी की पहली खुशी। स्वतंत्रता आंदोलन के इन्हीं जीवित गवाहों से बातचीत पर आधारित इकराम वारिस की यह रिपोर्ट।

वो सुबह, जब गली में गूंजा- आजाद हो गया देश

मानिक चौक निवासी 93 वर्षीय मंगलसेन को 15 अगस्त 1947 की सुबह आज भी याद है। बताते हैं कि मोहल्ले का माहौल रोज से अलग था। बड़े लोग उत्साहित थे और बच्चे यह समझने की कोशिश कर रहे थे कि आखिर हुआ क्या है। चारों तरफ यही सुनाई दे रहा था- देश आजाद हो गया, हमें स्वराज मिल गया, अंग्रेज देश छोड़कर चले गए। मंगलसेन बताते हैं कि घर से बाहर निकले तो किसी ने बच्चों को गरम जलेबी बांटी। हाथ में जलेबी आई तो खुशी और बढ़ गई। उस उम्र में आजादी की गहराई समझ में नहीं आई, लेकिन वह दिन बाकी दिनों से बिल्कुल अलग था। वह जलेबी उनके लिए सिर्फ मिठाई नहीं थी, बल्कि आजादी की पहली खुशी की वह मिठास थी, जिसे उन्होंने बचपन में महसूस किया था।

बड़े खुश थे, हम बच्चों को बस जलेबी याद रही

ब्रह्मनपुरी निवासी 93 वर्षीय रमेश वार्ष्णेय बताते हैं कि सुबह से ही मोहल्ले में चहल-पहल थी। बड़े लोग आपस में आजादी की बातें कर रहे थे। बच्चे उनकी बातें सुनते, फिर अपनी दुनिया में लौट जाते। कभी गली में दौड़ते तो कभी दोस्तों के साथ खेलने लगते। वह कहते हैं कि उस समय आजादी का मतलब समझ में नहीं आया था। वर्षों बाद इतिहास पढ़ा तो अहसास हुआ कि जिस दिन को हम बच्चों ने खेलते और मिठाई खाते हुए देखा था, वह देश के लिए सदियों में आने वाला ऐतिहासिक दिन था।

उस जलेबी का स्वाद आज भी याद है

91 वर्षीय मोहनलाल वार्ष्णेय बताते हैं कि 15 अगस्त की सुबह हवा में ही कुछ अलग महसूस हो रहा था। बड़े लोग उत्साहित थे और बच्चे भी नारे लगा रहे थे। देश आजाद होने की बात सुनकर हर कोई खुश था, हालांकि बच्चों को उस खुशी की पूरी वजह नहीं मालूम थी। वह कहते हैं, समय बीत गया, देश बदल गया और हम बच्चे भी बड़े हो गए। लेकिन उस दिन की जलेबी का स्वाद आज भी याद है।

Aligarh News: देहरादून एक्सप्रेस में किशोरी से छेड़खानी, आरोपी पकड़ा

देहरादून एक्सप्रेस में शुक्रवार को सफर कर रही 14 वर्षीय किशोरी के साथ छेड़खानी और अश्लील वीडियो दिखाने का मामला सामने आया है। ट्रेन के अलीगढ़ पहुंचते ही पुलिस टीम ने आरोपी को दबोच लिया। जीआरपी के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार द्विवेदी ने बताया है कि गाड़ी संख्या 14113 देहरादून एक्सप्रेस में एक व्यक्ति के प्रयागराज निवासी यात्री की 14 वर्षीय बेटी को अश्लील वीडियो दिखाने और उसके साथ छेड़खानी करने की सूचना मिली। हेल्पलाइन से सूचना मिलते ही जीआरपी टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान 46 वर्षीय वैभव पोरवाल निवासी विकास नगर, बहजोई रोड, थाना चंदौसी जनपद संभल के रूप में हुई है। पीड़िता के परिजन की तहरीर पर जीआरपी अलीगढ़ जंक्शन थाने में आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है।

Independence Day: लाल किले से 13वीं बार देश को संबोधित कर रहे पीएम मोदी, कब-कितना लंबा रहा उनका संबोधन?

Red Fort Speeches By PM: प्रधानमंत्री मोदी अब तक कुल 12 बार लाल किले से देश को संबोधित कर चुके हैं। केवल एक बार उन्होंने देश को एक घंटे से कम समय के लिए संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल यानी 15 अगस्त को 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 13वीं बार लाल किले से देश को संबोधित कर रहे हैं। पिछले साल पीएम मोदी ने करीब 103 मिनट लंबा भाषण दिया, जो कि इतिहास में किसी भी प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया सबसे लंबा भाषण रहा था। पिछले साल भी पीएम मोदी ने 98 मिनट का भाषण देकर नया रिकॉर्ड बनाया था। इससे पहले 2015 में प्रधानमंत्री मोदी ने 86 मिनट का भाषण देकर उन्होने देश के पहले पीएम जवाहरलाल नेहरू के सबसे लंबे भाषण का रिकॉर्ड तोड़ा था। प्रधानमंत्री मोदी अब तक कुल 11 बार लाल किले से देश को संबोधित कर चुके हैं।

केवल एक बार उन्होंने देश को एक घंटे से कम समय के लिए संबोधित किया। 2017 के स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री का भाषण केवल 56 मिनट का रहा था। ये उनका अब तक का सबसे छोटा भाषण है। प्रधानमंत्री ने जब साल 2014 में देश को पहली बार लाल किले से संबोधित किया तो उन्होंने कुल 65 मिनट तक भाषण दिया। इसके बाद, साल 2015 में उन्होंने 86 मिनट तक देश को संबोधित किया। देश जब आजादी की 70वीं वर्षगांठ मना रहा था, उस दौरान पीएम मोदी ने देश को लाल किले से 94 मिनट तक संबोधित किया। यह उनके प्रधानमंत्री के रूप में रहने के दौरान लाल किले से दिया गया सबसे लंबा भाषण है। पीएम मोदी ने 2017 के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 57 मिनट, 2018 में 82 मिनट और 2019 में 92 मिनट तक देश को संबोधित किया। इसके बाद 2020 में 86 मिनट, 2021 में 88 मिनट, 2022 में 83 मिनट और 2023 में 90 मिनट तक पीएम मोदी ने लाल किले से भाषण दिया।

Independence Day 2026:

तिरंगे के रंग में रंगा बरेली शहर, भगवान भोलेनाथ का हुआ तिरंगामय शृंगार; देखें तस्वीरें

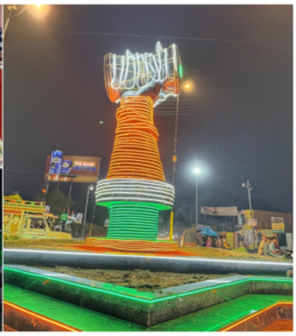

Bareilly News: बरेली में जश्न-ए-आजादी का उल्लास छाया है। पूरे शहर में भव्य सजावट की गई है। सरकारी कार्यालय, निजी प्रतिष्ठान, चौक-चौराहे और सड़कें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर तिरंगामय रोशनी से नहा गईं।बरेली में स्वतंत्रता दिवस पर पूरा शहर तिरंगे की रोशनी से नहा उठा। शहर के प्रमुख सरकारी कार्यालयों से लेकर मुख्य चौराहों और सड़कों तक आकर्षक सजावट की गई है, जो देखते ही बन रही है। नगर निगम की ओर से शहर के कई प्रमुख स्थलों पर विशेष लाइटें लगाई गई हैं, जिससे रात के समय शहर की खूबसूरती में चार चांद लग गए हैं। वहीं, सावन माह में शिवभक्ति के साथ देशभक्ति का अनोखा संगम भी देखने को मिला। बाबा त्रिवटीनाथ मंदिर में शुक्रवार को शिवलिंग का तिरंगामय शृंगार किया गया। जश्न-ए-आजादी के लिए शहर के पटेल चौक, आदिनाथ चौक और अंबेडकर पार्क को रंग-बिरंगी रोशनी व झंडों से सजाया गया है। वहीं, गांधी उद्यान पार्क भी पूरी तरह रोशन हो गया। पटेल चौक से लेकर नगर निगम कार्यालय तक डिवाइडरों को आकर्षक लाइटों से सजाया गया है। सरकारी भवनों पर की गई सजावट इस उत्सव के उल्लास को और बढ़ा रही है। नगर निगम कार्यालय, आयकर भवन, जिलाधिकारी कार्यालय और एसएसपी ऑफिस, रेलवे जंक्शन समेत तमाम महत्वपूर्ण प्रशासनिक इमारतें तिरंगे की रंग-बिरंगी रोशनी में सराबोर नजर आईं। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में एसएसपी कार्यालय में भी भव्य सजावट की गई। शाम होते ही पूरा कार्यालय परिसर तिरंगामय रोशनी से नहा गया। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शहर के डीडीपुरम शहीद चौक पर पंजाबी महासभा की ओर से शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

Delhi Traffic Advisory

स्वतंत्रता दिवस समारोह के चलते कल तड़के कई मार्ग बंद, इन सड़कों से बचें; ये हैं विकल्प

15 अगस्त को सुबह 4 बजे से सुबह 10 तक सामान्य यातायात के लिए कई रास्ते बंद रहेंगे। केवल विशिष्ट लेबल वाले वाहन ही इन सड़कों पर प्रवेश कर पाएंगे।15 अगस्त 2026 को लाल किले में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करेंगे, जिसके कारण सार्वजनिक सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 15 अगस्त को लाल किले के आसपास के क्षेत्रों में यातायात संबंधी पाबंदियां लागू की जाएंगी। दिल्ली यातायात पुलिस ने लोगों को लालकिले के आसपास रास्तों से बचने की सलाह दी है।

15 अगस्त को ये मार्ग बंद रहेंगे

15 अगस्त को सुबह 4 बजे से सुबह 10 तक सामान्य यातायात के लिए कई रास्ते बंद रहेंगे। केवल विशिष्ट लेबल वाले वाहन ही इन सड़कों पर प्रवेश कर पाएंगे। ये मार्ग हैं-नेताजी सुभाष मार्ग (दिल्ली गेट से छत्ता रेल चौक तक), लोथियन रोड (जीपीओ दिल्ली से छत्ता रेल चौक तक), एस.पी. मुखर्जी मार्ग (एच.सी. सेन मार्ग से यमुना बाजार चौक तक), चांदनी चौक रोड (फव्वारा चौक से लाल किला तक), निषाद राज मार्ग (रिंग रोड से नेताजी सुभाष मार्ग तक), एस्प्लेनेड रोड और इसका लिंक रोड (नेताजी सुभाष मार्ग तक) और रिंग रोड (राज घाट से आईएसबीटी तक)।

इन सड़कों से बचने की सलाह

दिल्ली यातायात पुलिस की उत्तरी रेंज के पुलिस उपायुक्त निशांत गुप्ता ने बताया कि जिन वाहनों के पास रिहर्सल के लिए पार्किंग लेबल नहीं हैं, उन्हें सुबह 4 बजे से सुबह 10 बजे तक सी-हेक्सागन इंडिया गेट, कॉपरनिकस मार्ग, मंडी हाउस, सिकंदरा रोड, डब्ल्यू पॉइंट, ए-पॉइंट तिलक मार्ग, मथुरा रोड, बीएसजेड मार्ग, नेताजी सुभाष मार्ग, जे.एल. नेहरू मार्ग, निजामुद्दीन खट्टा और आईएसबीटी कश्मीरी गेट के बीच रिंग रोड, और निजामुद्दीन खट्टा और आईएसबीटी कश्मीरी गेट से सालिगढ़ बाईपास तक आउटर रिंग रोड आदि रास्तों से बचने की सलाह दी है।

UP: बसपा से निष्कासित अंटू मिश्रा बोले-मुझे पार्टी के कार्यक्रमों में कोऑर्डिनेटर्स बुलाते नहीं थे

बसपा से निष्कासित पूर्व मंत्री ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष उनके लिए बड़ी बहन जैसी हैं और उनका फैसला स्वीकार है। उन्होंने अनुशासनहीनता के आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि उन्हें पार्टी कार्यक्रमों में नहीं बुलाया जाता था। अब वह कार्यकर्ताओं और समाज के लोगों से राय लेकर अपनी आगे की राजनीतिक रणनीति तय करेंगे।बसपा से निष्कासित पूर्व मंत्री अनंत कुमार मिश्रा उर्फ अंटू ने कहा कि मायावती उनकी बड़ी बहन हैं और यह रिश्ता हमेशा रहेगा। उनका फैसला स्वीकार है हालांकि मैंने ऐसा कोई कार्य नहीं किया जो अनुशासनहीनता के दायरे में आता हो। मुझे पार्टी के कार्यक्रमों में कोऑर्डिनेटर्स बुलाते नहीं थे। मुझे तो बाद में जानकारी मिलती थी। मेरा भी सम्मान है। बिना बुलाए कैसे चला जाता।

फिर भी मैं बसपा कार्यकर्ताओं की मदद कर रहा था। ब्राह्मण समाज को भी जोड़ रहा था। बसपा ने मुझे बहुत कुछ दिया है। उसके कार्यकर्ता मेरे लिए देवतुल्य हैं। निष्कासन के बाद पहली बार मीडिया से शनिवार को अंटू मिश्रा मुखातिब हुए। उन्होंने कहा कि छात्र जीवन से लेकर अब तक मेरा 40 वर्ष का राजनीतिक सफर रहा है। बसपा के साथ बीते 23 साल से जुड़ा रहा हूं। मैंने अपनी क्षमता से अधिक पार्टी के लिए कार्य किया। मुझ पर लगे आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं। अब मैं अपने समाज, बसपा के लोगों के पास जाकर उनकी रायशुमारी लूंगा उसके बाद आगे की रणनीति बनाऊंगा। वर्तमान में राजनीति तेजी से बदल रही है, लिहाजा परिस्थितियों के मुताबिक फैसला लेंगे। अब पार्टी में वापसी का प्रयास भी नहीं करेंगे

पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप थे

बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने बसपा सरकार के दौरान स्वास्थ्य मंत्री रहे अनंत कुमार मिश्रा उर्फ अंटू मिश्रा को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। उन पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप थे। इसकी जानकारी खुद मायावती ने एक्स पर दी। जारी किए गए

Ayodhya: सावन झूला मेला आज से,

उमड़ेंगे 10 लाख से अधिक श्रद्धालु; राम नगरी में 28 अगस्त तक रहेगी उत्सव की धूम

15 से 28 अगस्त तक चलने वाले इस मेले का पहला दिन मणिपर्वत पर मनाया जाएगा। रामनगरी में श्रद्धालुओं का महाकुंभ माना जाने वाला सावन झूला मेला शनिवार से शुरू हो रहा है। 15 से 28 अगस्त तक चलने वाले इस मेले का पहला दिन मणिपर्वत पर मनाया जाएगा। मणिपर्वत पर भगवान राम-सीता का झूला विहार होगा। अयोध्या धाम के विभिन्न मंदिरों से 11 झांकियां विभिन्न रास्तों से होते हुए मणिपर्वत पहुंचेंगी। सावन मेले में 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। धर्मनगरी में तो वैसे 5000 से अधिक छोटे-बड़े मंदिर हैं लेकिन प्रमुख रूप से श्री राम जन्मभूमि, कनक भवन, राजा दशरथ जी के महल, अशर्फी भवन, राम वल्लभा कुंज, दिव्या कला कुंज, विअहुति भवन, रंग महल, जानकी महल, राज सदन, रूप कला कुंज, मणिराम दास जी की छावनी जैसे प्रमुख मंदिरों में इस उत्सव की आभा देखते ही बनेगी है। मणिपर्वत मेले को एक जोन और पांच सेक्टर में विभाजित किया गया है। पूरे मेला क्षेत्र को छह जोन और 29 सेक्टर में बांटा गया है।एसपी सिटी अयोध्या चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि पीएसी, आरएएफ, एटीएस कमांडो और एसडीआरएफ टीमें भी उपलब्ध रहेंगी। ड्रोन कैमरे की व्यवस्था की गई है।

मणिपर्वत पर विशेष फोकस रहेगा। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे व ड्रोन से निगरानी रखी जाएगी।श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा दोनों हमारी प्राथमिकता है।

आम श्रद्धालु भी रामलला को झूला सकेंगे झूला

राम मंदिर में भी शनिवार से झूलनोत्सव का शुभारंभ होगा। राम मंदिर के अनुष्ठान प्रभारी एवं महोत्सव के व्यवस्थापक आचार्य इंद्रदेव मिश्र ने बताया कि अयोध्या की परंपरा में मणिपर्वत के बजाय सुरक्षा कारणों से भगवान झूला बिहारी को पहली बार कुबेर नवरत्न टीला पर ले जाकर झूलन विहार कराया जाएगा। बताया गया कि यहां पेड़ की डाल पर पहली बार झूला पड़ेगा। झूला तैयार करा लिया गया है। आम श्रद्धालु भी भगवान को झूला झुला सकेंगे। सावन शुक्ल तृतीया से अयोध्या में सावन झूला मेला का शुभारंभ होता है। इस बार राम मंदिर में भी अयोध्या की परंपरा अनुरूप झूलनोत्सव होगा।

पीएसी की 10 कंपनियां लगाई गई

अपर पुलिस अधीक्षक 7, पुलिस उपाधीक्षक 30, निरीक्षक 60, उपनिरीक्षक 275, हेड कांस्टेबल 150, कांस्टेबल 800, महिला उपनिरीक्षक 30, महिला हेड कांस्टेबल 25, महिला कांस्टेबल 80, पीएसी 10 कंपनी (एक कंपनी बाढ़ सहित), आरएएफ 2 कंपनी, एटीएस कमांडो 1 टीम, एसडीआरएफ 2 टीम, हल्का वाहन चालक 30, ड्रैगन लाइट 30 और ड्रोन कैमरा 2 लॉजिस्टिक की तैनाती की गई।

Vande Mataram: लाल किले पर पहली बार गूंजा वंदे मातरम;

देश की 150 साल की विरासत का भव्य जश्न, जानिए इसका इतिहास

स्वतंत्रता दिवस समारोह के इतिहास में पहली बार, 15 अगस्त को लाल किले परिसर में देश की आजादी की 79वीं वर्षगांठ के दौरान 'वंदे मातरम' गाया गया, इसके बाद भव्य कार्यक्रम में राष्ट्रगान का गायन हुआ। राष्ट्रीय गीत के 150 साल पूरे होने के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। किले की प्राचीर पर फूलों की सजावट में बीच में राष्ट्रीय ध्वज और उसके दोनों ओर हिंदी में 'वंदे मातरम' लिखा हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभक्ति के जोश और कड़ी सुरक्षा के बीच लाल किले पर 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का नेतृत्व किया। सेना के बैंड ने वंदे मातरम की धुन बजाई। इस दौरान मौजूद मेहमानों ने राष्ट्रीय गीत गाया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके बाद राष्ट्रगान गाया गया।

काली बाइक, मस्जिद और ATS की एंट्री:

हापुड़ से पकड़े गए दो संदिग्ध, हैरत की बात किसी को नहीं पता कौन थे दोनों?

युवकों की बाइक शाम तक मस्जिद के बाहर ही खड़ी रही। स्थानीय पुलिस ने उसे कब्जे में नहीं लिया। बाइक मेरठ के सरधना के मोहल्ला धर्मपुरा के कादर अब्दुल के नाम पंजीकृत है। हालांकि, बाइक पर नंबर प्लेट फर्जी होने की भी आशंका जताई जा रही है। यूपी के हापुड़ स्थित थाना क्षेत्र के गांव शेरपुर में शुक्रवार सुबह मेरठ एटीएस की टीम ने कार्रवाई की। टीम ने कुरैशीयान मस्जिद के पास से दो संदिग्ध युवकों को दबोच लिया। फिलहाल दोनों युवकों की पहचान नहीं हो सकी है। स्थानीय पुलिस के अनुसार उन्हें कार्रवाई की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। अचानक हुई कार्रवाई से क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल रहा।

दोनों की उम्र करीब 25, दाढ़ी रखी है और टोपी पहने थे

ग्रामीणों के अनुसार सुबह करीब आठ बजे दो युवक काले रंग की बाइक से मस्जिद के पास पहुंचे थे। एक युवक मस्जिद के गेट तक पहुंचा, जबकि दूसरा बाइक का लॉक लगा रहा था। तभी पीछे से पहुंची एटीएस टीम ने दोनों को पकड़ लिया और साथ ले गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, दोनों युवकों की उम्र लगभग 25 वर्ष है। उन्होंने दाढ़ी रखी हुई थी और टोपी पहने थे। कुरैशीयान मस्जिद में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं, जबकि गांव की अन्य मस्जिदें कैमरों से लैस हैं। इससे घटनाक्रम का कोई स्थानीय रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है।

मस्जिद के इमाम को भी नहीं दोनों कौन हैं?

ग्रामीणों के अनुसार कुरैशीयान मस्जिद में करीब दो माह पहले मोहम्मद आमिर इमाम के रूप में आए हैं। वह मुंडाली, मेरठ के निवासी हैं। इमाम ने बताया कि जिन लोगों ने युवकों को देखा था, वे उन्हें पहचान नहीं पाए। युवकों को इससे पहले कभी मस्जिद में नहीं देखा गया था। उनका मस्जिद में आने का उद्देश्य या उनकी पहचान के बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं है। पुलिस या एटीएस की पुष्टि के बाद ही मामले की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट होगी।

संभवत: पीछा करते हुए आई थी टीम

शुक्रवार सुबह हुए इस घटनाक्रम के बाद यह संभावना है कि टीम को युवकों के यहां आने की पूरी जानकारी थी। एटीएस टीम या तो इन युवकों का पीछा करते हुए यहां पहुंची थी या फिर गांव के बाहर ही कहीं मौजूद थी। टीम का पूरा ध्यान युवकों को दबोचने पर ही केंद्रित था। टीम के किसी सदस्य ने किसी ग्रामीण या मस्जिद कमेटी के पदाधिकारी से पूछताछ नहीं की। माना जा रहा है कि टीम जल्द ही गांव में फिर आकर पूछताछ कर सकती है।

कादर अब्दुल के नाम पंजीकृत है बाइक

युवकों की बाइक शाम तक मस्जिद के बाहर ही खड़ी रही। स्थानीय पुलिस ने उसे कब्जे में नहीं लिया। बाइक मेरठ के सरधना के मोहल्ला धर्मपुरा के कादर अब्दुल के नाम पंजीकृत है। हालांकि, बाइक पर नंबर प्लेट फर्जी होने की भी आशंका जताई जा रही है। बहादुरगढ़ पुलिस का कहना है कि बाइक उनकी निगरानी में है।

CJP: 'अगर सारे लीगल कॉकरोच एक साथ आ जाएं तो क्या होगा?', मुख्य न्यायाधीश-नालसर विवाद के बीच बोले अभिजीत दीपके

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने बीसीआई-नालसर विवाद के बीच फिर 'लीगल कॉकरोच' का नारा उठाया है। इसके साथ ही उन्होंने बीसीआई अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा के इस्तीफे और परिषद की जवाबदेही की मांग की। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने अपने व्यंग्यात्मक आंदोलन को शुरू करने वाले नारे को फिर से उठाया है। इस बार उन्होंने बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) और नालसर विधि विश्वविद्यालय के बीच चल रहे विवाद को निशाना बनाया है।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, गुरुवार को बीसीआई ने राज्य बार परिषदों को निर्देश दिया कि वे नालसर 2026 के किसी भी स्नातक को दाखिला न दें, क्योंकि छात्रों ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किए जाने का विरोध किया था। हालांकि कुछ घंटों बाद परिषद ने पूर्ण नामांकन प्रतिबंध वापस ले लिया।बीसीआई के विधि स्नातकों को अधिवक्ताओं के रूप में भर्ती करने पर रोक लगाने के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए दीपके ने एक्स पर पोस्ट किया। 'क्या होगा अगर सारे लीगल कॉकरोच एक साथ आ जाएं?'

दीपके ने एक्स पर क्या लिखा?

बीसीआई-एनएएलएसएआर विवाद में एक बार फिर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के शामिल होने के साथ, ऐसा लगता है कि दीपके उसी रूपक पर लौट आए हैं। दीपके ने बीसीआई अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर संभावित अभियान की ओर भी इशारा किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'मनन मिश्रा के इस्तीफे का समय आ गया है ?'

सौरभ दास ने क्या प्रतिक्रिया दी?

संस्थापक के पोस्ट पर सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरभ दास ने भी प्रतिक्रिया दी । उन्होंने कहा, 'बहुत जरूरी है।' दास ने एक्स पर लिखा, 'बार काउंसिल ऑफ इंडिया की जांच होनी चाहिए। मनन मिश्रा 2012 से इसके अध्यक्ष हैं। उन्होंने क्या किया है? उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। सभी कानूनी भ्रष्टाचारियों, आपका काम तय है। आइए बीसीआई की जवाबदेही तय करें। आइए मिश्रा की जवाबदेही तय करें।' बता दें कि दीपके ने अपने पोस्ट में आंदोलन की उत्पत्ति का जिक्र है। यह आंदोलन मई में तब शुरू हुआ जब मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने एक सुनवाई के दौरान देश के युवाओं को कॉकरोच कहा था। उस समय अमेरिका में रह रहे दीपके ने ऑनलाइन एक सवाल पूछा 'क्या होगा अगर सारे कॉकरोच एक साथ आ जाएं?' बाद में यह पोस्ट कॉकरोच जनता पार्टी में बदल हो गई , जो एक व्यंग्यात्मक युवा आंदोलन था।

मुख्य न्यायाधीश को कहा था धन्यवाद

दीपके ने इससे पहले आंदोलन को प्रेरित करने वाली टिप्पणी के लिए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को सार्वजनिक रूप से धन्यवाद दिया था । जंतर-मंतर पर एक विरोध प्रदर्शन में उन्होंने कहा था कि अगर उन्हें कॉकरोच न कहा गया होता तो वे न तो भारत लौटते और न ही यह अभियान शुरू करते।

स्वतंत्रता दिवस पर जांबाजों का सम्मान: 301 को वीरता पदक; 92 को राष्ट्रपति पदक, 664 को सराहनीय सेवा सम्मान

गृह मंत्रालय के अनुसार, स्वतंत्रता दिवस 2026 के मौके पर पुलिस, फायर, होम गार्ड एवं सिविल डिफेंस और सुधार सेवाओं के कुल 1,057 कर्मियों को वीरता और सेवा पदकों से सम्मानित किया गया है। 301 वीरता पदकों में से सबसे अधिक पुरस्कार उन कर्मियों को दिए गए हैं, जिन्होंने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में काम किया।

स्वतंत्रता दिवस 2026 के अवसर पर पुलिस, फायर, होम गार्ड एवं सिविल डिफेंस और सुधार सेवाओं के 1,057 कर्मियों को वीरता और सेवा पदकों से सम्मानित किया गया। इनमें 301 वीरता पदक, 92 राष्ट्रपति पदक और 664 सराहनीय सेवा पदक शामिल हैं। वीरता पदकों में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के 197 कर्मियों को सबसे अधिक सम्मान मिला।

301 कर्मियों को वीरता पदक

गृह मंत्रालय के मुताबिक, 301 वीरता पदकों में से सबसे अधिक पुरस्कार उन कर्मियों को दिए गए हैं, जिन्होंने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में अदम्य साहस का परिचय दिया। इनमें ऐसे 197 कर्मी शामिल हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर क्षेत्र के 51, पूर्वोत्तर के 12 और देश के अन्य हिस्सों के 41 कर्मियों को वीरता पदक प्रदान किए गए हैं।

पुलिस और फायर सर्विस के जवान भी शामिल

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि इस स्वतंत्रता दिवस पर पुलिस और फायर सर्विस के कर्मियों को कुल 301 वीरता पदक दिए गए हैं। इनमें 272 पुलिस कर्मी और 29 फायर सर्विस कर्मी शामिल हैं।

असाधारण बहादुरी के लिए मिलता है वीरता पदक

सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि वीरता पदक जीवन और संपत्ति की रक्षा करने, अपराध को रोकने या अपराधियों को पकड़ने में दिखाई गई असाधारण बहादुरी के लिए दिया जाता है। इसके लिए संबंधित अधिकारी के दायित्वों और कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए उनके द्वारा उठाए गए जोखिम का भी आकलन किया जाता है।

वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के 197 कर्मियों को सम्मान

गृह मंत्रालय ने बताया कि 301 वीरता पुरस्कारों में सबसे बड़ी संख्या वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में तैनात कर्मियों की है। ऐसे 197 कर्मियों को उनके साहसिक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। वहीं, जम्मू-कश्मीर में बहादुरी दिखाने वाले 51 कर्मियों, पूर्वोत्तर के 12 कर्मियों और अन्य क्षेत्रों के 41 कर्मियों को भी वीरता पदक मिला है।

92 कर्मियों को राष्ट्रपति पदक

केंद्र सरकार ने 92 पुलिस कर्मियों को 'विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक' देने की भी घोषणा की है। गृह मंत्रालय के अनुसार, इन 92 पदकों में 83 पुलिस सेवा, 4 अग्निशमन सेवा, 3 सिविल डिफेंस और होम गार्ड सेवा तथा 2 सुधारात्मक सेवा के कर्मियों को दिए गए हैं।

उत्कृष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक

'विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक' ऐसे कर्मियों को प्रदान किया जाता है, जिनका सेवा रिकॉर्ड विशेष और उत्कृष्ट रहा हो। यह सम्मान उनकी लंबे समय की विशिष्ट और उल्लेखनीय सेवा को मान्यता देता है।

664 कर्मियों को सराहनीय सेवा पदक

सरकार ने 'सराहनीय सेवा पदक' के तहत कुल 664 पदक प्रदान किए हैं। इनमें 606 पुलिस कर्मी, 28 अग्निशमन सेवा कर्मी, 18 सिविल डिफेंस एवं होम गार्ड सेवा कर्मी और 12 सुधारात्मक सेवा के कर्मी शामिल हैं।

कर्तव्य के प्रति समर्पण को सम्मान

सरकार के अनुसार, 'सराहनीय सेवा पदक' ऐसी बहुमूल्य सेवा के लिए दिया जाता है, जिसमें कर्मी की सूझ-बूझ, कर्तव्यनिष्ठा और अपने दायित्वों के प्रति समर्पण स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिए गए ये पदक सुरक्षा और आपात सेवाओं से जुड़े कर्मियों की उल्लेखनीय भूमिका को सम्मानित करते हैं।

Tunnel Landslide: घायल मजदूरों ने बताया भयावह मंजर; सब बचाओ-बचाओ चिल्ला रहे थे, ऑक्सीजन कम थी, हम बहकर आ गए

Chamoli Tunnel Landslide News: हादसे के दौरान करीब 16-17 लोग एक जगह पर थे। जबकि बिजली ऑपरेटर, प्लंबर के साथ ही कुछ अन्य लोग भी वहां मौजूद थे। जैसे ही सैलाब आया तो सभी बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगे। टीएचडीसी की टीआर टनल से बचकर बाहर आए घायल मजदूर सदमे में हैं। टनल में अचानक ऑक्सीजन लेवल कम होने से मजदूरों की सांस फूल रही थी। कांपते शब्दों में उन्होंने बताया कि जिस जगह पर भूस्खलन हुआ, वहां बुधवार को मिट्टी खिसक गई थी। इसके धंसने की आशंका थी। यह टनल दुर्गापुर से सियासैंण तक करीब तीन किलोमीटर तक निर्मित हो रही है। हादसा करीब डेढ़ किमी पर हुआ है। बताया जा रहा है कि हादसे के दौरान करीब 16-17 लोग एक जगह पर थे। जबकि बिजली ऑपरेटर, प्लंबर के साथ ही कुछ अन्य लोग भी वहां मौजूद थे। एक घायल ने बताया कि वे कीचड़ में आधा हिस्से तक फंस गए थे, जैसे-तैसे जान बची। हादसे में घायल छत्तीसगढ़ निवासी सुनील दीवान ने जिला अस्पताल में बताया कि वे टनल के अंदर सरिया से सेटरिंग बना रहे थे। एक साथ वे करीब 17 लोग थे। अचानक करीब 150 मीटर दूर तेज आवाज के साथ भारी भूस्खलन हुआ और मलबा, पानी व पत्थर तेज गति से टनल के अंदर घुस आए। इसके धक्के से कई लोग दूर जा गिरे, जबकि कुछ लोग मलबे में दब गए। हम मलबे के धक्के से टनल के बाहर की ओर आ गए। मजदूर बचाओ-बचाओ चिल्ला रहे थे। टनल में कई जगह से मलबा आने से ऑक्सीजन लेवल बेहद कम हो गया था। कुछ लोग दम घुटने के कारण मलबे में आगे चल नहीं पा रहे थे। शुक्र है समय पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हो गया। ओडिशा निवासी जगेश्वर ने बताया कि वह टनल से निकलने वाले पानी को पंप के जरिये बाहर भेजने का काम करता है। शाम करीब 6:10 बजे अचानक तेज आवाज सुनाई दी, जो बेहद भयावह थी। इसी दौरान टनल की बिजली भी गुल हो गई। हादसे के समय वह घटनास्थल से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर था। टनल में तेज आवाज सुनी तो किसी अनहोनी की आशंका हुई। अन्य लोगों को इसकी जानकारी दी।

Tariff: 'चीन को अमेरिकी टैरिफ से बचने में मदद कर रहे भारत समेत 40 देश', अमेरिका ने लगाया गंभीर आरोप

ट्रंप प्रशासन की रिपोर्ट में भारत समेत 40 से अधिक देशों को चीन की टैरिफ चोरी में संभावित भूमिका का आरोप लगाया है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि चीन तीसरे देशों के जरिए माल की पहचान बदलकर अमेरिकी शुल्क से बचता है। आईए जानतें हैं अमेरिका इससे बचने के लिए क्या करने वाला है? डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने भारत, कनाडा और यूरोपीय संघ समेत अमेरिका के 40 से ज्यादा व्यापारिक साझेदारों की पहचान की है। इन पर आरोप है कि वे एक 'शैडो ट्रांस-शिपमेंट नेटवर्क' यानी कि अवैध माल ढुलाई नेटवर्क चलाकर चीन को टैरिफ से बचने में मदद कर सकते हैं, जिससे जोखिम पैदा हो सकता है। अमेरिका ने ऐसी गैर-कानूनी गतिविधियों का पता लगाने और उन पर जुर्माना लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करने का संकल्प लिया है।

क्या है द ग्रेट ट्रांसशिपमेंट स्कीम?

'द ग्रेट ट्रांसशिपमेंट स्कैम' नाम की व्हाइट हाउस की रिपोर्ट में 'गैर-कानूनी ट्रांसशिपमेंट' से जुड़ी लंबे समय से चली आ रही चिंता की आलोचना की गई है। इसमें बताया गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए ऊंचे शुल्क से बचने के लिए सामान को किसी ऐसे तीसरे देश के रास्ते भेजा जा सकता है, जहां अमेरिका का टैरिफ कम हो। रिपोर्ट में बताए गए अन्य देशों में ताइवान, मैक्सिको, जापान, दक्षिण कोरिया और वियतनाम शामिल हैं।

रिपोर्ट में क्या बताया गया है?

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मुख्य व्यापार सलाहकार पीटर नवारो की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2018 के बाद ट्रांसशिपमेंट (एक देश से दूसरे देश के रास्ते सामान भेजना) ज्यादा होने लगा। यह तब हुआ जब ट्रंप प्रशासन ने अनुचित व्यापार तौर-तरीकों का मुकाबला करने के लिए चीन पर सेक्शन 301 के तहत टैरिफ लगाए। नवारो ने पत्रकारों से कहा, 'वर्षों से, इस बड़े ट्रांसशिपमेंट घोटाले की वजह से कम्युनिस्ट चीन 40 से ज्यादा देशों के जरिए अपने निर्यात को दूसरे देशों में भेजकर उन्हें अपना माल बताकर बेचता रहा है।'

यह 40 देश ही क्यों?

रिपोर्ट में 40 से ज्यादा ऐसे देशों का जिक्र किया गया है, जहां गैर-कानूनी ट्रांसशिपमेंट का जोखिम ज्यादा है। इसमें कहा गया है कि कुछ अर्थव्यवस्थाओं के लिए, ट्रांसशिपमेंट का जोखिम बड़े पैमाने पर होने वाले वैध व्यापार का ही एक हिस्सा बन गया है। कुछ अन्य देश चीन से जुड़ी सप्लाई चेन से ज्यादा जुड़े हुए पाए गए। वहीं, एक तीसरे समूह को अमेरिका तक खास पहुंच जैसे फायदे हासिल थे, जो उन्हें सामान का रूट बदलने के लिए आकर्षक और सुविधाजनक लक्ष्य बनाते हैं।

चीन इन देशों का इस्तेमाल क्यों करता था?

नवारो ने रिपोर्ट में कहा, 'चीन ने इन तीसरे देशों का इस्तेमाल मामूली प्रोसेसिंग, री-लेबलिंग, री-पैकेजिंग, री-इनवॉइसिंग या रूटिंग में बदलाव के लिए करना शुरू कर दिया, जिससे ऐसा लगता था कि सामान किसी नए देश का है, जबकि असल में उसमें चीनी सामग्री वैसी ही बनी रहती थी।' उन्होंने कहा कि टैरिफ से बचने के लिए, चीन और उसकी सरकारी मदद वाली मैन्युफैक्चरिंग और ट्रेडिंग कंपनियां ऐसे इलाकों में सामान भेज सकते हैं जहां सस्ता लेबर हो, कस्टम्स की निगरानी कम हो, फ्री जोन में ढील हो, या जिन्हें अमेरिका के साथ व्यापार में खास सुविधाएं मिलती हों।

इससे बचने के लिए क्या कर रहा है अमेरिका?

नवारो की रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस यूएस कस्टम्स और बॉर्डर प्रोटेक्शन के साथ मिलकर एआई-आधारित डिटेक्टिव बॉर्डर पर काम कर रहा है। इसका मकसद यह पता लगाना है कि क्या किसी शिपमेंट में ट्रांसशिप्ड सामान (एक जगह से दूसरी जगह ले जाया गया सामान) शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह सिस्टम शिपमेंट डेटा, रूटिंग हिस्ट्री और दूसरे टूल्स जैसी जानकारी का इस्तेमाल करेगा।

जापान में कुदरत का कहर: रातभर हुई रिकॉर्ड तोड़ बारिश, चार लोगों की मौत, 80 से ज्यादा घर डूबे

जापान के चिबा प्रांत में रिकॉर्ड तोड़ बारिश से बाढ़ के हालात बन गए। चार लोगों की मौत हुई, एक लापता है और हजारों लोग फंस गए। चिबा शहर में सिर्फ एक घंटे में 11.5 सेंटीमीटर बारिश हुई। वहीं, लोगों को सुरक्षित जगह जाने की सलाह दी गई। टोक्यो के पूर्व में स्थित शहरों में रात भर हुई रिकॉर्ड तोड़ बारिश ने सड़कों और दर्जनों घरों में पानी भर गया है। इसके कारण हजारों लोग फंसे रह गए, बिजली गुल हो गई और कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक व्यक्ति लापता है। जापान मौसम एजेंसी ने चिबा प्रांत की एक दर्जन से ज्यादा नगरपालिकाओं में भारी बारिश के लिए जारी अपनी सबसे गंभीर चेतावनी का स्तर कम कर दिया है, क्योंकि शुक्रवार सुबह बारिश कम हो गई थी, लेकिन दिन में बाद में और बारिश का अनुमान है। दिन की रोशनी होने के बाद ली गई तस्वीरों और टेलीविजन फुटेज में व्यापक क्षति दिखाई दी, जिसमें घर, कारें और रेलवे ट्रैक के कुछ हिस्से कीचड़ भरे पानी से भर गए थे।

ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स ने क्या बताया?

ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स ने बताया कि उसने सोगा रेलवे स्टेशन पर रात भर रुके लगभग 4,000 फंसे हुए लोगों को लाने के लिए बसें भेजीं। सोगा रेलवे स्टेशन एक स्थानीय मार्ग है जो टोक्यो डिज्नी पार्क को भी जोड़ता है। थीम पार्क को किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई है।

अब तक कितने लोगों की हुई मौत?

टोक्यो क्षेत्र की सेवा करने वाले नरिता हवाई अड्डे पर हजारों लोग फंस गए, क्योंकि उस क्षेत्र से जाने वाली ट्रेनें रोक दी गई थीं। सैकड़ों लोगों ने रात भर चिबा प्रांत के सरकारी भवन में शरण ली। प्रांत ने बताया कि चार लोग मृत पाए गए और एक व्यक्ति लापता है। मृतकों में इचिकावा शहर में बाढ़ग्रस्त सड़क पर तैरता हुआ मिला एक व्यक्ति और साकुरा शहर में बाढ़ग्रस्त कार में फंसी एक महिला शामिल हैं। काशिवा शहर में बाढ़ग्रस्त कार से निकाले गए एक अन्य व्यक्ति को मृत मान लिया गया है। चिबा के अधिकारियों ने बताया कि प्रांत में 80 से अधिक घर बाढ़ की चपेट में आ गए और प्रांत भर में लगभग 230,000 निवासियों को आश्रय लेने की सलाह दी गई।

बॉम्बे हाउस का महासंग्राम: कभी रतन टाटा ने दिग्गजों को दी थी शिकस्त; क्या फिर दोहराया जा रहा है वही इतिहास?

कौन थे वे तीन बड़े क्षत्रप जिन्होंने रतन टाटा के सामने चुनौती खड़ी की?

उस दौर के पुराने दिग्गजों में तीन नाम सबसे ऊपर थे- टाटा स्टील (TISCO) के रुसी मोदी, टाटा केमिकल्स के दरबारी सेठ, और इंडियन होटल्स के अजीत केरकर। ये तीनों अधिकारी खुद को टाटा संस का मातहत मानने के बजाय कंपनी का असली संरक्षक मानते थे। रतन टाटा का मानना था कि उदारीकरण के बाद के नए भारत में वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिकने के लिए टाटा समूह की एक साझा रणनीति और मजबूत केंद्रीय निगरानी होनी चाहिए। लेकिन इन दिग्गजों को अपनी स्वायत्तता छोड़ना मंजूर नहीं था, जिससे बॉम्बे हाउस में वर्चस्व की लड़ाई शुरू हो गई।

इस ऐतिहासिक जीत ने टाटा ग्रुप को हमेशा के लिए कैसे बदल दिया?

रतन टाटा की यह जीत रातों-रात नहीं मिली, बल्कि यह बोर्ड रूम की रणनीतियों, सेवानिवृत्ति नीति और प्रमुख संस्थागत निदेशकों के समर्थन का नतीजा थी। 1990 के दशक के अंत तक अंदरूनी सत्ता संघर्ष पूरी तरह समाप्त हो गया। टाटा संस अब समूह की सभी कंपनियों के फैसलों, नियुक्तियों और ब्रांड संचालन का असली केंद्र बन चुकी थी।

क्या आज टाटा संस में छिड़ा विवाद नया है? जानिए कैसे 1990 के दशक में रतन टाटा ने रुसी मोदी और दरबारी सेठ जैसे दिग्गज कॉर्पोरेट 'क्षत्रपों' को शिकस्त देकर पूरे टाटा साम्राज्य को एक धागे में पिरोया था। पढ़ें विशेष विश्लेषण।इस टकराव में सबसे बड़ा हथियार 1992 में टाटा संस द्वारा लागू की गई रिटायरमेंट पॉलिसी बनी, जिसने रतन टाटा को इन शक्तिशाली सत्ता केंद्रों को नियंत्रित करने का कानूनी ढांचा दिया। जमशेदपुर में लोकप्रिय टाटा स्टील के प्रमुख रुसी मोदी ने बिना बोर्ड की मंजूरी के अपने दत्तक पुत्र आदित्य कश्यप को आगे बढ़ाना चाहा। टाटा संस के साथ कड़े टकराव और बदलते समीकरणों के कारण आखिरकार 1993 में मोदी को टाटा स्टील छोड़नी पड़ी।वहीं, दरबारी सेठ का विरोध थोड़ा शांत था। जब वे रिटायरमेंट की उम्र के करीब पहुंचे, तो उन्होंने अपने बेटे मनु सेठ को टाटा केमिकल्स में आगे बढ़ाने की कोशिश की। रतन टाटा ने कंपनियों के भीतर वंशानुगत सत्ता केंद्रों का कड़ा विरोध किया और मनु सेठ को भी बाहर जाना पड़ा। अजीत केरकर भी वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की जांच के बाद आखिरकार समूह से बाहर हो गए।आज जब टाटा ट्रस्ट्स, नोएल टाटा और चंद्रशेखरन के बीच मतभेदों की खबरें आती हैं, तो यह साफ हो जाता है कि 'टाटा साम्राज्य पर असल नियंत्रण किसका होगा'-

Adani: अमेरिकी में कानूनी कार्रवाई के बीच समूह ने किया दो लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश, जानिए सबकुछ

समूह ने कौन सी प्रमुख उपलब्धियां हासिल कीं?

पिछले दिसंबर में नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने परिचालन शुरू किया। फरवरी में गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल-2 का परिचालन शुरू हुआ। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन पिछले वित्त वर्ष में 500 दस लाख मीट्रिक टन से अधिक माल संभालने वाला भारत का पहला बंदरगाह संचालक बना। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने 20 गीगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का आंकड़ा पार किया। जून 2026 में 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया गया।

बाजार का भरोसा कैसे बहाल हुआ?

नवंबर 2024 में अमेरिकी अभियोग सार्वजनिक होने के बाद शुरुआती चार कारोबार सत्रों में समूह के बाजार पूंजीकरण में लगभग 2.85 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई थी। हालांकि, परियोजनाएं बिना किसी रोक के जारी रहीं और वित्तीय प्रदर्शन मजबूत बना रहा। अगस्त 2026 तक समूह का बाजार पूंजीकरण बढ़कर लगभग 18.5 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। यह मार्च 2025 के निचले स्तर से करीब 7.6 लाख करोड़ रुपये अधिक था। यह अभियोग से पहले के स्तर से भी लगभग 4 लाख करोड़ रुपये ऊपर था।

अदाणी समूह ने अमेरिकी कानूनी कार्रवाई के बावजूद वित्त वर्ष 2025-26 में 2.08 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया। जानें कैसे समूह ने बुनियादी ढांचे में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की और बाजार का भरोसा फिर से जीता। अमेरिकी जिला अदालत ने अदाणी समूह के खिलाफ न्याय विभाग की आपराधिक कार्रवाई को स्थायी रूप से खारिज कर दिया है। इस कानूनी अनिश्चितता के बावजूद, समूह ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही और वित्त वर्ष 2026 में 2.08 लाख करोड़ रुपये से अधिक का पूंजीगत व्यय किया है। यह भारत के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बुनियादी ढांचा निवेश कार्यक्रमों में से एक है।समूह ने नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली ट्रांसमिशन, बंदरगाह, हवाई अड्डे, सड़क, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में निवेश किया। वित्त वर्ष 2023 से वित्त वर्ष 2026 के बीच समूह की कुल परिसंपत्ति 4.12 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 7.85 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो 90 फीसदी से अधिक की वृद्धि है। इसी अवधि में सालाना पूंजी निवेश 95,554 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,52,967 करोड़ रुपये पहुंच गया। वित्त वर्ष 2026 में 1,52,967 करोड़ रुपये के सालाना पूंजीगत व्यय के साथ, अदाणी समूह ने किसी भी भारतीय निगम द्वारा किया गया सबसे बड़ा पूंजी निवेश दर्ज किया। यह रिलायंस इंडस्ट्रीज के 1,44,271 करोड़ रुपये के निवेश से भी अधिक था।

Air India: 'गलत काम करोगे तो भुगतोगे गंभीर परिणाम' एयर इंडिया सीईओ की एयरलाइन कर्मचारियों को दो टूक

उन्होंने जोर देकर कहा कि गलत काम करने के अवसर कम होते जा रहे हैं। गलत काम करने के परिणाम केवल बढ़ते जाएंगे। विल्सन ने कर्मचारियों से गलत काम देखने पर उसकी रिपोर्ट करने को कहा। उन्होंने यह भी बताया कि एयरलाइन ने निजीकरण के बाद से दुरुपयोग को रोकने और उससे निपटने के लिए प्रणाली और नियंत्रण लागू किए हैं। इन प्रणालियों को और मजबूत किया जाएगा।

क्या हैं गलत कामों के परिणाम?

विल्सन ने स्पष्ट किया कि गलत काम करने के परिणाम लगातार बढ़ेंगे। जनवरी 2022 में टाटा समूह द्वारा एयर इंडिया के अधिग्रहण के बाद से, लगभग 1,000 कर्मचारियों को विभिन्न उल्लंघनों के कारण सेवा से बर्खास्त किया गया है। यह दर्शाता है कि प्रबंधन कदाचार के प्रति सख्त रुख अपना रहा है। विल्सन ने कहा कि अब गलत काम करके बच निकलने की संभावना कम होती जा रही है। उन्होंने कर्मचारियों को नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी।विल्सन की टिप्पणियां एक ऐसी घटना के बाद आई हैं, जिसमें एक पायलट-इन-कमांड का नाम सामने आया। यह पायलट फुकेट-दिल्ली उड़ान का था। 4 अगस्त को इस पायलट का साइकोएक्टिव पदार्थ के लिए परीक्षण सकारात्मक आया था।

एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैंपबेल विल्सन ने कर्मचारियों को ईमानदारी से काम करने की सलाह दी। उन्होंने गलत कामों के गंभीर परिणामों और 1000 कर्मचारियों की बर्खास्तगी का जिक्र किया। एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैंपबेल विल्सन ने गुरुवार को कर्मचारियों को ईमानदारी से काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जब कोई न देख रहा हो, तब भी सही काम करें। विल्सन ने कर्मचारी यात्रा विशेषाधिकारों के दुरुपयोग सहित कई मुद्दों पर प्रकाश डाला। उन्होंने गलत काम करने के गंभीर परिणामों की भी चेतावनी दी।विल्सन की यह टिप्पणी एक टाउनहॉल बैठक के दौरान आई। यह मुख्य रूप से जनवरी 2022 में निजीकरण के बाद से विभिन्न उल्लंघनों के लिए करीब 1,000 लोगों की सेवा समाप्ति के संदर्भ में थी। सूत्रों के अनुसार, विल्सन ने कहा कि अभी भी ऐसे मामले हैं जहां लोग नियमों और विनियमों को खुद पर लागू नहीं मानते। एयर इंडिया ने निजीकरण के बाद से दुरुपयोग को रोकने के लिए कई प्रणालियां शुरू की हैं। इन प्रणालियों का उद्देश्य कदाचार को पकड़ना और उससे निपटना है। विल्सन ने कहा कि एयरलाइन इन नियंत्रणों को लगातार मजबूत करती रहेगी। टाटा समूह ने जनवरी 2022 में घाटे में चल रही एयरलाइन का अधिग्रहण किया था।

थोक महंगाई में मामूली राहत: क्या वाकई कम होने वाला है आपकी जेब पर बोझ, या अभी और सताएंगी खाने-पीने की चीजें?

देश में जुलाई के दौरान थोक महंगाई दर मामूली रूप से घटकर 9.78% पर आ गई है। ईंधन के दाम जरूर कम हुए हैं, लेकिन क्या खाने-पीने की चीजें अभी और रुलाएंगी? आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।थोक बाजार के स्तर पर महंगाई के मोर्चे पर आम जनता और सरकार के लिए मामूली राहत की खबर है। जुलाई महीने में देश की थोक महंगाई दर में थोड़ी गिरावट दर्ज की गई है।वाणिज्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2026 में भारत की थोक मूल्य सूचकांक (WPI) पर आधारित महंगाई दर घटकर 9.78% पर आ गई है। इससे ठीक एक महीने पहले, यानी जून में यह दर 9.87% थी।भले ही यह गिरावट मामूली हो, लेकिन यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि जून की महंगाई दर (9.87%) सरकार की नई डब्ल्यूपीआई सीरीज (जिसका आधार वर्ष 2022-23 है) के तहत अब तक का सबसे उच्चतम स्तर था। इसके अलावा, रॉयटर्स के एक पोल में अनुमान लगाया गया था कि जुलाई में थोक महंगाई दर लगभग 9.95% के ऊंचे स्तर पर बनी रह सकती है। उस लिहाज से देखें तो यह आंकड़ा उम्मीद से थोड़ा बेहतर और राहत देने वाला है। खाने-पीने की चीजों की महंगाई अभी भी काबू से बाहर दिख रही है। जुलाई महीने में डब्ल्यूपीआई (WPI) फूड इंडेक्स की महंगाई दर बढ़कर 6.65% पर पहुंच गई, जो जून में 6.14% थी।

ईंधन और बिजली की कीमतों में कितनी राहत मिली?

इस गिरावट के पीछे सबसे बड़ा हाथ ईंधन और बिजली की कीमतों का रहा है। जुलाई महीने में ईंधन और बिजली बास्केट की महंगाई दर घटकर 20.05% पर आ गई, जो जून में 27.41% के भारी-भरकम स्तर पर थी। मई में यह दर 30.33% थी, जो जून में गिरकर 27.41% हुई और अब जुलाई में इसमें एक बड़ी राहत दर्ज की गई है। थोक बाजार में ईंधन का सस्ता होना पूरी अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत माना जाता है, क्योंकि इससे माल ढुलाई और उत्पादन की लागत में कमी आती है।

प्राइमरी आर्टिकल्स और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की कीमतों का क्या हाल है?

जहां एक तरफ ईंधन के मोर्चे पर राहत मिली है, वहीं दूसरी तरफ बुनियादी चीजों और कारखानों में बनने वाले सामानों ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। आंकड़ों के मुताबिक, प्राइमरी आर्टिकल्स (जैसे कच्चा माल, खनिज आदि) की महंगाई दर जुलाई में बढ़कर 8.52% हो गई, जो जून में 7% थी। इसी तरह, मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की महंगाई दर भी जून के 7.48% से बढ़कर जुलाई में 8.29% पर पहुंच गई है। इसका मतलब साफ है कि कारखानों में सामान बनाने की लागत अभी भी बढ़ रही है, जिसका असर आने वाले दिनों में खुदरा कीमतों पर दिख सकता है।

Gold Silver Price: सोने की कीमतों में उछाल, भाव ₹1.59 लाख प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा सोना; जानिए चांदी की कीमत

आज सोने और चांदी की कीमतों में कितना बड़ा उछाल आया है?

बुधवार (12 अगस्त 2026) को दिल्ली के सर्राफा बाजार में 99.9% शुद्धता वाला सोना 2,600 रुपये महंगा होकर सीधे 1,59,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गया। इससे पिछले सत्र यानी मंगलवार को यह 1,57,200 रुपये पर बंद हुआ था। दूसरी तरफ, चांदी की कीमतों ने भी सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। चांदी 4,000 रुपये की भारी-भरकम छलांग लगाकर 2,46,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है, जो मंगलवार को 2,42,000 प्रति किलो पर बंद हुई थी।सोने के भाव में यह तेजी लगातार सातवें सत्र में भी जारी रही है। आंकड़े गवाह हैं कि महज एक हफ्ते पहले, यानी 3 अगस्त को सोने की कीमत 1,47,400 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। तब से लेकर अब तक सोना 12,400 रुपये यानी कुल 8.4 प्रतिशत मजबूत हो चुका है। यह रफ्तार दिखाती है

अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्या चल रहे हैं सोने-चांदी के भाव?

भारतीय बाजारों की तरह ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया है। वैश्विक स्तर पर हाजिर सोना 1.02 प्रतिशत (44.48 डॉलर) की मजबूती के साथ 4,412.63 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। इसके साथ ही, अंतरराष्ट्रीय चांदी भी 2.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 66.23 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच गई है।

सोने की कीमतों में लगातार सातवें दिन रिकॉर्ड तेजी देखी गई और यह 1.59 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। वहीं चांदी भी 4,000 रुपये महंगी होकर 2.46 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। जानें इस ऐतिहासिक उछाल की असली वजह।सोने की चमक इतनी तेज हो चुकी है कि अब इसे देखना भी आम आदमी की आंखों को चौंधिया रहा है! जी हां, दिल्ली के सराफा बाजार में सोने ने लगातार सातवें दिन उड़ान भरते हुए एक नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना दिया है। सोना अब 1.59 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के जादुई और बेहद महंगे स्तर पर पहुंच चुका है। सिर्फ सोना ही नहीं, बल्कि चांदी की चमक भी इस बार चौगुनी हो गई है।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के सीनियर एनालिस्ट सौमिल गांधी का कहना है कि अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड यील्ड में गिरावट और स्थिर अमेरिकी डॉलर ने भी सोने-चांदी की कीमतों को वैश्विक स्तर पर मजबूत सहारा दिया है। सामने आने से पहले कई बड़े निवेशक अभी भी थोड़ा सतर्क रुख अपनाए हुए हैं।

The Bonus Market Update: सेंसेक्स 70 अंक से ज्यादा लुढ़का, निफ्टी में भी गिरावट; कच्चे तेल और सीपीआई पर नजर

बुधवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। सेंसेक्स और निफ्टी में कमी दर्ज की गई। मध्य पूर्व में कच्चे तेल के दाम बढ़ने और अमेरिकी सीपीआई आंकड़ों के इंतजार से बाजार पर दबाव रहा। जानें वैश्विक बाजारों का हाल और प्रमुख शेयरों की स्थिति। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ खुला। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों में कमी दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में अस्थिर राजनीतिक उठापटक के बीच कच्चे तेल के दाम 90 डॉलर प्रति बैरल की ओर बढ़ रहे हैं। बाजार का ध्यान अब अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आंकड़ों पर केंद्रित हो गया है। ये आंकड़े बुधवार को ही जारी होने वाले हैं। महंगाई के इन आंकड़ों से वैश्विक ब्याज दर की उम्मीदों पर नए संकेत मिलने की उम्मीद है। साथ ही, ये आंकड़े व्यापक बाजार धारणा को भी प्रभावित करेंगे। बुधवार को सुबह 09:27 बजे, सेंसेक्स 70.98 अंक या 0.09 फीसदी गिरकर 78,083.27 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी भी 55.41 अंक या 0.23 फीसदी की गिरावट के साथ 24,416.30 पर था। भारतीय बाजार में हिंडाल्को के शेयरों में दो फीसदी की वृद्धि देखी गई। वहीं, बजाज फिनसर्व के शेयरों में एक फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों की नजर अब अमेरिका से आने वाले आर्थिक आंकड़ों पर टिकी है।पश्चिम एशिया में जारी अस्थिर राजनीतिक उठापटक के कारण कच्चे तेल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं।

अमेरिका के नए टैरिफ बिल से भारत में चिंता: औद्योगिक संगठन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वाले फैसले को लेकर औद्योगिक संगठन ने चिंता जाहिर की है। ईईपीसी इंडिया नाम के इस संगठन ने कहा कि अमेरिकी सीनेट ने प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप को रूसी ऊर्जा के शीर्ष आयातकों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने का अधिकार देने वाले बिल को मंजूरी दे दी है। इससे भारत से इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट को लेकर चिंता बढ़ गई है। संगठन के मुताबिक अगर यह कानून बन जाता है तो इसके नतीजे बेहद गंभीर हो सकते हैं। ईईपीसी इंडिया के चेयरमैन पंकज चड्ढा ने कहा, यह हमारे लिए वाकई चिंता की बात है, क्योंकि अमेरिका भारतीय इंजीनियरिंग सामानों का टॉप मार्केट है। बिल को अभी लेजिस्लेटिव प्रोसेस पूरा करना बाकी है लेकिन यह हमारे लिए सच में चिंता की बात है। चड्ढा ने कहा, लिंड्से ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 नाम का यह बिल, अगर अमेरिकी कांग्रेस से मंजूर हो जाता है और कानून बन जाता है, तो इंडियन गुड्स एक्सपोर्ट पर इसका बड़ा असर पड़ सकता है। हालांकि, अभी इसके किसी भी संभावित असर पर बात करना जल्दबाजी होगी।

Independence Day

शाहरुख के पिता ने किया स्वदेश के लिए संघर्ष आमिर समेत कई सितारों के अपनों ने भी दिया योगदान

Indian Independence Day 2026 Special: आज देशभर में आजादी का उत्सव मनाया जाएगा। स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले सेनानियों को याद किया जाएगा। इस मौके पर जानिए फिल्मी दुनिया के सितारों का कुछ चर्चित स्वतंत्रता सेनानियों से क्या नाता रहा है? आमिर खान से लेकर शाहरुख खान ने बॉलीवुड में ऐसी फिल्मों में अभिनय किया है, जो देशप्रेम की बात करती हैं। देश के लिए कुछ भी कर गुजरने का जज्बा मन में भरती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आमिर खान, शाहरुख के अलावा कई फिल्मी सितारे हैं, जिनके परिवार के सदस्य स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े थे। देश की आजादी में इनके परिवार के सदस्यों ने भी अहम योगदान दिया था। जानिए, कौन हैं वो शख्सियतें- आमिर खान का रिश्ता भारत के मशहूर स्वतंत्रता सेनानी और आजाद भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद से जाकर जुड़ता है। मौलाना अबुल कलाम आजाद, आमिर खान की दादी आमना के चाचा थे। इस तरह आमिर खान का परिवार स्वतंत्रता आंदोलन से गहरे तक जुड़ा था। शाहरुख जब 15 साल के थे, तो उनके पिता का निधन हो गया। लेकिन पिता की कही बातें और यादें उनके जेहन में हमेशा रहीं। फरीदा जलाल के साथ किए गए एक पुराने इंटरव्यू में शाहरुख खान ने कहा था, 'मेरा परिवार और खासकर मेरे पिता आजादी से पहले के भारत की राजनीति से बहुत गहराई से जुड़े हुए थे। मेरे पिता खुद देश के सबसे कम उम्र के स्वतंत्रता सेनानी थे। वह जनरल शाहनवाज जैसे लोगों से जुड़े हुए थे।' अनिल कपूर और बोनी कपूर के पिता सुरिंदर कपूर मायानगरी बंबई (अब का मुंबई) आने से पहले स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े थे। बाद में चचेरे भाई पृथ्वीराज कपूर के कहने पर वह बंबई आए। यहां आकर फिल्मों में असिस्टेंट के तौर पर काम किया। आगे चलकर वह जाने-माने प्रोड्यूसर बने। शर्मिला टैगोर नोबेल पुरस्कार विजेता और स्वतंत्रता आंदोलन में अहम योगदान देने वाले रवींद्रनाथ टैगोर की करीबी रिश्तेदार हैं। वह टैगोर परिवार से अपनी मां और पिता दोनों की तरफ से जुड़ी हुई हैं।

आजादी सिर्फ मर्जी से जीने का नाम नहीं

अभिनेत्री एरिका फर्नांडिस ने बताए स्वतंत्रता के असल मायने

Erica Fernandes Exclusive Interview: एरिका फर्नांडिस 'कुछ रंग प्यार के ऐसे भी' और 'कसौटी जिंदगी की' जैसे टीवी सीरियल से मशहूर हुईं। अभिनेत्री ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आजादी के असल मायने बताए। अमर उजाला से की गई खास बातचीत में आजादी को लेकर अपने विचार साझा किए। अगर कोई आपसे पूछे कि आजादी का मतलब क्या है, तो शायद पहला जवाब होगा कि अपनी मर्जी से जीना। लेकिन अगर कोई आपको रोकने वाला ही न हो, तब? तब आपको खुद तय करना पड़ता है कि आपको जाना कहां है, किस चीज के लिए खड़ा होना है और अपने फैसलों की जिम्मेदारी कितनी उठानी है। अभिनेत्री एरिका फर्नांडिस के लिए आजादी का असली मतलब यहीं से शुरू होता है। 'कुछ रंग प्यार के ऐसे भी' और 'कसौटी जिंदगी की' जैसे टीवी शोज से घर-घर पहचान बनाने वाली एरिका फर्नांडिस पांच साल बाद '108 बेस हॉस्पिटल - उरी' से टीवी पर वापसी कर रही हैं। स्वतंत्रता दिवस पर अमर उजाला डिजिटल से बातचीत में एरिका ने सिर्फ अपने नए शो या किरदार की बात नहीं की। उन्होंने 80 साल में बदले भारत, आज की पीढ़ी और इस दौर में बचाकर रखी जाने वाली चीजों पर भी खुलकर बात की।

80 साल में हमने सबसे अच्छी तरह क्या बचाया?'

बीते 80 साल में भारत ने क्या सबसे अच्छी तरह बचाया है? एरिका कहती हैं, 'मुझे लगता है कि हमने अपनेपन का अहसास बहुत अच्छी तरह बचाकर रखा है। हम बिल्कुल अलग पृष्ठभूमि से आते हैं, अलग भाषाएं बोलते हैं और हमारी जिंदगी भी एक-दूसरे से बहुत अलग हो सकती है। लेकिन फिर भी कुछ ऐसा है, जो हमें भारतीय होने के नाते जोड़ता है। मुझे लगता है कि हमें इसे कभी हल्के में नहीं लेना चाहिए। एरिका आगे कहती हैं, 'अब हमें सबसे ज्यादा अपनी संवेदनशीलता बचाने की जरूरत है। हम इतनी तेजी से जी रहे हैं यह नजरिया मेरे साथ रह गया है।'

बिहार के गांव से निकला हूं इसलिए आजादी को अलग तरह से देखता हूं

Pankaj Tripathi: पंकज त्रिपाठी ने अमर उजाला से खास-बातचीत में बताया है कि उनके हिसाब से आजादी का क्या मतलब है। उन्होंने यह भी बताया है कि आज का भारत कैसा होना चाहिए। आखिर आजादी की असली परीक्षा कब होती है? जब कोई हमें रोक रहा हो या तब, जब कोई रोकने वाला ही न हो? पंकज त्रिपाठी के पास इसका अपना जवाब है। आखिर आजादी की असली परीक्षा कब होती है? जब कोई हमें रोक रहा हो या तब, जब कोई रोकने वाला ही न हो? पंकज त्रिपाठी के पास इसका अपना जवाब है। बिहार के एक छोटे से गांव से निकलकर देश के अलग-अलग हिस्सों में काम करने और लोगों से मिलने वाले पंकज ने भारत को कई रंगों में देखा है। मगर उनके लिए इन सारे रंगों के पीछे एक चीज हमेशा एक जैसी रही- अपनापन। अमर उजाला से एक्सक्लूसिव बातचीत में उन्होंने आजादी, बदलते भारत, गांवों से निकलते युवाओं और उस जिम्मेदारी की बात की, जो आजादी के साथ आती है। मेरे हिसाब से पिछले 80 वर्षों में हमने सबसे अच्छी चीज अपनी विविधता और साथ रहने की भावना को बचाया है। भारत में इतनी भाषाएं हैं, इतनी संस्कृतियां हैं, इतने अलग-अलग तरह के लोग हैं

Kangana Ranaut: कंगना ने दिल्ली की सीएम के साथ मनाई तीज क्वीन के गाने पर लगाए ठुमके साझा की तस्वीरें

Kangana Ranaut Celebrated Teej With Delhi CM Rekha Gupta: कंगना रनौत ने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के घर पर तीज का त्योहार मनाया। इस उत्सव की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए भावुक संदेश भी लिखा। कंगना रनौत ने बुधवार देर रात इंस्टाग्राम पर तीज उत्सव मनाते हुए कई तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के घर पर तीज का त्योहार मनाया। इस मौके पर वह हरे रंग की साड़ी पहने नजर आईं। रेखा गुप्ता के साथ भी उन्होंने तीज मनाते हुए कई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। इंस्टाग्राम पर तीज मनाते हुए तस्वीरें पोस्ट करने के साथ ही कंगना ने एक कैप्शन भी लिखा। वह इसमें लिखती हैं, 'मेरी पहली तीज का त्योहार। रेखा दीदी के घर पर। उन्होंने सच में एक बड़ी बहन का प्यार और दुलार दिया। बिल्कुल घर जैसा अपनापन मुझे मिला।' आगे कंगना ने कई तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें वह हाथों में मेहंदी लगाती दिखाई दीं। उनके ईद-गिर्द कई और महिलाएं भी बैठी थीं। आगे तस्वीरों में वह अपनी फिल्म 'क्वीन' के गाने 'लंदन ठुमका दा' पर डांस करती दिखीं। उनके साथ तीज का त्योहार मनाने आईं महिलाओं ने भी डांस किया। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने भी कंगना के साथ डांस किया। कंगना रनौत बतौर सांसद अपनी नई भूमिकाओं को निभा रही हैं। साथ ही वह एक्टिंग की दुनिया में भी सक्रिय हैं।

काम करने की कमी महसूस नहीं होती

बैन लगाने वालों का आतिफ असलम ने किया धन्यवाद

Atif Aslam: पाकिस्तानी सिंगर आतिफ असलम की आवाज के भारत में भी लाखों फैंस हैं। हालांकि, साल 2016 के बाद से वह भारत में काम नहीं कर पाए हैं। अब सिंगर ने इस मामले पर खुलकर अपने विचार रखे हैं। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा। 2016 उरी आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बीच पाकिस्तानी कलाकारों के भारत में काम करने पर रोक लग गई थी। इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (IMPPA) ने भी अपने सदस्यों से पाकिस्तानी कलाकारों और तकनीशियनों को नए प्रोजेक्ट्स में काम न देने का प्रस्ताव पास किया था। इस बैन का असर आतिफ असलम समेत कई पाकिस्तानी कलाकारों पर पड़ा। अब आतिफ ने एक यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान भारत में अपने करीब एक दशक लंबे ब्रेक के बारे में खुलकर बात की। भारत में अपनी गैरमौजूदगी के बारे में बात करते हुए आतिफ असलम ने कहा कि उन्हें भारत में बैन हुए करीब 10 साल हो चुके हैं। उन्होंने कहा, 'यह भारत सरकार का फैसला था। उन्होंने पाकिस्तान के कलाकारों पर बैन लगाने का फैसला किया। अब पाकिस्तान के सभी भारतीय कलाकारों पर बैन है। पिछले 10 साल से मैंने वहां कोई गाना नहीं किया है।' आतिफ असलम ने अपने भारतीय फैंस के लिए भी खास मैसेज दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात से दुखी होने की जरूरत नहीं है। सिंगर ने कहा, 'मैं हमेशा आपको बताना चाहता था कि मुझे आप लोगों की याद आती है। मुझे वहां काम करने की कमी महसूस नहीं होती, लेकिन मुझे आप लोगों की याद

मैं लड़कियों को मैसेज नहीं करता श्रेया कालरा और शिवांगी जोशी की बातचीत पर कुशल टंडन ने दी प्रतिक्रिया

Kushal Tandon: श्रेया कालरा ने कुशल टंडन पर आरोप लगाए हैं। इस पर कुशल टंडन ने जवाब दिया है। उन्होंने भारतीय महिलाओं पर एक बयान दिया है। हाल ही में 'अलायंस' में नजर आए कुशल टंडन तब चर्चा में आ गए जब रियलिटी शो 'लॉक अप 2' में उनके नाम का जिक्र हुआ। एक्टर ने आखिरकार श्रेया कालरा और शिवांगी जोशी की तरफ से शिवांगी के साथ उनके रिश्ते पर की गई बातचीत पर अपनी चुप्पी तोड़ी है।

लॉक अप' को भेजा बिल

कुशल ने आईएएनएस को बताया, 'मैंने जीएसटी के साथ 'लॉक अप' को एक बिल भेजा है क्योंकि 'मल्टीवर्स' में मेरी बातें घर के बाहर, घर के अंदर और दूसरे शो में हर जगह हो रही थीं। मैं उनकी कंपनी के साथ साइन किया हुआ हूं, इसलिए वे मुझे बहुत जल्द चेक देंगे।'

श्रेया ने लगाए कुशल पर आरोप

जानकारी के लिए बता दें कि श्रेया ने पहले 'लॉक अप 2' के एक एपिसोड के दौरान कुशल पर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि कुशल ने उनके प्रमोशनल शूट के बाद उन्हें मैसेज भेजा था, जबकि उस समय कथित तौर पर वह शिवांगी जोशी के साथ रिश्ते में थे। श्रेया ने कहा, 'शूट के बाद उन्होंने मुझे मैसेज किया। उस समय मैं किसी और को डेट कर रही थी। तब कुशल टंडन और शिवांगी जोशी के बीच कुछ चल रहा था। मुझे इसके बारे में पता नहीं था। उन्होंने मुझसे बात करना शुरू किया। मुझे कुछ शक हुआ और मैंने बात करना बंद कर दिया।' उन्होंने यह भी कहा कि बाद में जब वे एक दूसरे सेट पर मिलीं, तो उन्होंने शिवांगी से इस मामले पर बात की और गलतफहमी दूर करने के लिए उन्हें चैट भी दिखाई। हाल ही में खत्म हुए शो 'अलायंस' में 16 कंटेस्टेंट्स ने सहयोगी (एलायंस) के तौर पर एंट्री की थी, लेकिन वफादारी बदलना, धोखा और रणनीतिक गेमप्ले ने फाइनल प्राइज की दौड़ में हर एलायंस की परीक्षा ली। मिनी माथुर ने 'अलायंस' सीजन 1 की ट्रॉफी जीती।

Aaj Ka Rashifal 15 August

वृषभ सहित इन 4 राशि वालों को मिलेगी खुशखबरी, धन लाभ के साथ बढ़ेगा सम्मान

Rashifal 15 August: आइए जानते हैं आज का दिन मेष से लेकर मीन राशि वालों के लिए कैसा रहेगा।

Rashifal 15 August: 15 अगस्त का दिन आर्थिक मामलों में कुछ राशि के जातकों के लिए लाभदायक साबित हो सकता है। वहीं, कुछ लोगों को अपने व्यवहार में संयम से काम लेने की जरूरत होगी। जानें मेष से मीन तक सभी 12 राशियों का आज का राशिफल।

मेष

आज आपका आत्मविश्वास और मेहनत दोनों आपके पक्ष में रहेंगे। कार्यक्षेत्र में अपनी जगह मजबूत करने के लिए आपको लगातार प्रयास करते रहना होगा, लेकिन हर काम को जल्दबाजी में करने की जरूरत नहीं है। आज की सबसे अच्छी रणनीति होगी कि मेहनत के साथ स्मार्ट वर्किंग पर भी ध्यान दें। उधार के लेनदेन से बचें और पुराने समझौतों व जिम्मेदारियों को ईमानदारी से निभाएं। आमदनी के साथ खर्च भी बढ़ सकता है, इसलिए आर्थिक मामलों में थोड़ी सावधानी जरूरी है। कामकाज सामान्य गति से चलेगा, जबकि आर्थिक गतिविधियां आपको व्यस्त रख सकती हैं। आपकी सूझबूझ और स्पष्ट सोच आज कई उलझनों को आसानी से सुलझा सकती है।

वृषभ

आज दोस्तों और करीबियों के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। किसी आर्थिक चुनौती का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन आपकी समझदारी और व्यावहारिक सोच आपको उससे बाहर निकाल देगी। काम को समय पर पूरा करने की कोशिश करें, क्योंकि आज समय का सही इस्तेमाल आपकी सफलता को काफी प्रभावित करेगा। योग्य लोगों को करियर से जुड़ा कोई आकर्षक प्रस्ताव मिल सकता है। निजी रिश्तों में भी गर्माहट आएगी और मित्रों का सहयोग आपको आगे बढ़ने का हौसला देगा। आपकी कार्यक्षमता में सुधार होगा और आर्थिक स्थिति को भी मजबूत करने के अवसर मिलेंगे। बस ध्यान रखें कि एक साथ बहुत सारे काम लेकर खुद को अनावश्यक दबाव में न डालें।

मिथुन

आज आपका ध्यान घर-परिवार और अपनी सुख-सुविधाओं पर अधिक रहेगा। परिवार के साथ बिताया समय आपको मानसिक संतोष देगा और अपनों के लिए कुछ बेहतर करने की इच्छा भी बढ़ेगी। कामकाज में प्रबंधन और जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, इसलिए अपनी कार्य व्यवस्था को व्यवस्थित रखना जरूरी होगा। यदि किसी करीबी रिश्ते में कुछ समय से खटास चल रही है, तो आज उसे बातचीत के जरिए दूर करने का अच्छा मौका है। पैतृक संपत्ति या परिवार से जुड़े किसी विषय पर चर्चा हो सकती है, लेकिन कोशिश करें कि बात बहस में न बदले। आपकी सक्रियता और प्रशासनिक क्षमता आज अच्छी रहेगी। अपनी बात स्पष्ट रखें, लेकिन दूसरों की भावनाओं का भी ध्यान रखें।

कर्क

आज लोगों से जुड़ना और नए संपर्क बनाना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। सामाजिक मेलजोल बढ़ेगा और कार्यक्षेत्र के विस्तार के नए रास्ते भी दिखाई दे सकते हैं। भाई-बहनों और करीबी लोगों का सहयोग मिलेगा, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। पेशेवर मामलों में दिन काफी सकारात्मक रहने वाला है। व्यापारिक गतिविधियों में गति आएगी और किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मिलने का अवसर भी मिल सकता है। शिक्षा, प्रतियोगिता या किसी महत्वपूर्ण प्रयास में सफलता मिलने के संकेत हैं। अधिकारी वर्ग भी आपके काम से संतुष्ट रह सकता है। लंबे समय से अटकी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए आज का दिन अच्छा है। अपनी बात पूरे आत्मविश्वास के साथ रखें और अपने व्यक्तित्व को बेहतर बनाने पर भी ध्यान दें।

सिंह

आज घर में किसी खास मेहमान या सम्मानित व्यक्ति का आगमन हो सकता है, जिससे माहौल खुशनुमा रहेगा। आपकी मेहनत और पिछले प्रयासों का अच्छा परिणाम सामने आ सकता है। परिवार का सहयोग मिलने से आप कई कामों को आसानी से पूरा कर पाएंगे और रिश्तों में आपसी विश्वास भी मजबूत होगा। आज अपनी राय रखने का मौका मिले तो संकोच न करें, लेकिन बेवजह की बहस और गपशप से दूर रहना बेहतर होगा। प्रशासन और प्रबंधन से जुड़े कामों में आपकी पकड़ मजबूत रहेगी। दिन का आनंद लेने के साथ अपने स्वास्थ्य और दैनिक दिनचर्या पर भी ध्यान दें। आपका विनम्र व्यवहार आज लोगों पर अच्छा प्रभाव डालेगा। घर के बड़ों का सम्मान और आशीर्वाद आपके लिए विशेष रूप से शुभ रहेगा।

कन्या

आज आपकी रचनात्मकता खुलकर सामने आएगी। कोई नया विचार, नई योजना या नया काम आपको उत्साहित कर सकता है। आपकी प्रतिभा को पहचान मिलने के योग हैं और महत्वपूर्ण मामलों में तेजी आने से आपकी प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। लोगों के बीच आपकी लोकप्रियता बढ़ सकती है, इसलिए अपने व्यवहार और संवाद पर थोड़ा अतिरिक्त ध्यान दें। आज आप सबको साथ लेकर चलने की कोशिश करेंगे और यही गुण आपको एक अच्छे नेतृत्वकर्ता के रूप में सामने ला सकता है। भूमि-भवन से जुड़े कामों में प्रगति हो सकती है और साझेदारी के मामलों में भी सकारात्मक परिणाम मिलने के संकेत हैं। कला, कौशल और रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन खास रह सकता है।

तुला

आज आपको करियर, कारोबार और पैसों से जुड़े मामलों में थोड़ी अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी। जल्दबाजी में किया गया कोई आर्थिक फैसला बाद में परेशानी दे सकता है, इसलिए निवेश या लेनदेन से पहले अच्छी तरह सोच लें। विरोधी या प्रतिस्पर्धी सक्रिय रह सकते हैं, इसलिए अपनी योजनाओं को हर किसी के सामने साझा करने से बचें। काम में छोटी सी लापरवाही भी आपके लाभ को प्रभावित कर सकती है। कारोबारियों के लिए बेहतर होगा कि वे स्थिर गति से आगे बढ़ें और हर वित्तीय दस्तावेज या लेनदेन को ध्यान से जांचें।

वृश्चिक

आज आपका पूरा ध्यान आर्थिक लाभ और काम के अच्छे अवसरों पर रहेगा। पेशेवर क्षेत्र में कोई आकर्षक प्रस्ताव मिल सकता है, इसलिए सामने आने वाले अवसरों को पहचानने में देर न करें। आपकी व्यावसायिक समझ और दूरदर्शिता आज आपके काफी काम आएगी। प्रबंधन से जुड़े काम व्यवस्थित होंगे और काम का दबाव भी पहले की तुलना में हल्का महसूस हो सकता है। परीक्षा, प्रतियोगिता या किसी चुनौतीपूर्ण काम में आपका प्रदर्शन प्रभावशाली रहेगा।

धनु

आज करियर और कारोबार से जुड़े मामलों पर आपका नियंत्रण मजबूत रहेगा। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलने से काम करने का उत्साह बढ़ेगा और किसी अच्छे प्रस्ताव की संभावना भी बन सकती है। प्रबंधन और प्रशासन से जुड़े कामों को आप अपनी सूझबूझ से अच्छी तरह संभाल पाएंगे। आर्थिक मामलों में भी स्थिति बेहतर हो सकती है। पैतृक संपत्ति से जुड़े किसी मामले में सकारात्मक प्रगति देखने को मिल सकती है। अपनी सफलता से उत्साहित रहेंगे और परिवार में भी खुशी का माहौल बनेगा।

मकर

आज भाग्य आपका साथ देता नजर आ रहा है। लंबे समय से अटके कुछ काम आगे बढ़ सकते हैं और आपके प्रयासों का अपेक्षा से बेहतर परिणाम मिल सकता है। नई तकनीक, नए तरीके और नए विचारों को अपनाने की आपकी कोशिश सफल रहेगी। पेशेवर जीवन में आपका प्रदर्शन प्रभावशाली रहेगा और कारोबार से जुड़े लोगों को विस्तार के अवसर मिल सकते हैं। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से संपर्क भविष्य में आपके लिए उपयोगी साबित हो सकता है।

कुंभ

आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी जरूरी है, खासकर मौसम से जुड़ी छोटी परेशानियों को नजरअंदाज न करें। कामकाज में नियमितता और धैर्य बनाए रखना आज आपकी सबसे बड़ी ताकत होगी। आपने जिन लोगों से कोई वादा किया है, उसे पूरा करने की कोशिश करें, क्योंकि आपकी विश्वसनीयता आपके लिए महत्वपूर्ण है। पैसों के लेनदेन में लापरवाही न करें और अनजान लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचें। आपकी वाणी और व्यवहार में थोड़ी गंभीरता आज कई परेशानियों से बचा सकती है।

मीन

आज टीमवर्क और सहयोग की भावना आपके लिए सफलता की कुंजी बनेगी। आप दूसरों को साथ लेकर चलने में सफल रहेंगे और इसी वजह से कामकाज में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। आर्थिक गतिविधियां भी मजबूत रहेंगी और आपकी वित्तीय स्थिति में सुधार के अवसर बनेंगे। यदि आप किसी नए व्यापार या काम से जुड़ने की योजना बना रहे हैं, तो उसके लिए संभावनाएं तलाश सकते हैं। कार्य विस्तार के अवसरों को हाथ से न जाने दें।

Aaj Ka Love Rashifal

इन 5 राशि वालों के प्रेम जीवन में आएंगी खुशियां, पढ़ें आज का लव राशिफल

Love Rashifal 15 August: 15 अगस्त 2026 को प्रेम जीवन में आएगी खुशियां या बढ़ेंगी दूरियां? जानें सभी 12 राशियों का लव राशिफल

मेष लव राशिफल (Aries Love Horoscope)

आज का दिन आपके लिए खास रहेगा। धन लाभ आपको हो सकता है और साथी के लिए उपहार खरीदेंगे। सिंगल लोगों का क्रश के साथ बातचीत का सिलसिला और गहरा हो सकता है। आप अपने पार्टनर के साथ दिल की बातें साझा करेंगे।

वृष लव राशिफल (Taurus Love Horoscope)

आज आप साथी को लेकर किसी नई जगह घूमने जा सकते हैं। इस समय अपने साथी को समय और ध्यान देना आपके रिश्ते को और मजबूत बनाएगा। शादीशुदा लोग किसी भी बात पर शक करने के बजाय बातचीत से स्थिति को समझने की कोशिश करें।

Guru Nakshatra Gochar

गुरु का अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश, इन 4 राशि वालों को मिलेगी नौकरी-कारोबार में तरक्की

Jupiter Transit: 19 अगस्त 2026 को गुरु बुध के अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। यह बदलाव 4 राशि वालों के लिए विशेष रूप से शुभ माना जा रहा है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान इन राशियों के जातकों को नौकरी, कारोबार, शिक्षा और आर्थिक मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।

Guru Nakshatra Parivartan 2026: वैदिक ज्योतिष में बृहस्पति यानी गुरु को ज्ञान, शिक्षा, धन, करियर और समृद्धि का कारक ग्रह माना जाता है। गुरु की चाल और नक्षत्र परिवर्तन का प्रभाव सभी राशियों पर अलग-अलग देखने को मिलता है। 19 अगस्त 2026 को गुरु बुध के अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। यह बदलाव 4 राशि वालों के लिए विशेष रूप से शुभ माना जा रहा है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान इन राशियों के जातकों को नौकरी, कारोबार, शिक्षा और आर्थिक मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर मिलने के साथ आय के साधनों में भी वृद्धि के योग बन सकते हैं। आइए जानते हैं किन राशियों के लिए गुरु का यह नक्षत्र परिवर्तन लाभकारी रहेगा।

Guru Nakshatra Gochar

गुरु का अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश, इन 4 राशि वालों को मिलेगी नौकरी-कारोबार में तरक्की

Jupiter Transit: 19 अगस्त 2026 को गुरु बुध के अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। यह बदलाव 4 राशि वालों के लिए विशेष रूप से शुभ माना जा रहा है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान इन राशियों के जातकों को नौकरी, कारोबार, शिक्षा और आर्थिक मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।

Guru Nakshatra Parivartan 2026: वैदिक ज्योतिष में बृहस्पति यानी गुरु को ज्ञान, शिक्षा, धन, करियर और समृद्धि का कारक ग्रह माना जाता है। गुरु की चाल और नक्षत्र परिवर्तन का प्रभाव सभी राशियों पर अलग-अलग देखने को मिलता है। 19 अगस्त 2026 को गुरु बुध के अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। यह बदलाव 4 राशि वालों के लिए विशेष रूप से शुभ माना जा रहा है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान इन राशियों के जातकों को नौकरी, कारोबार, शिक्षा और आर्थिक मामलों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर मिलने के साथ आय के साधनों में भी वृद्धि के योग बन सकते हैं। आइए जानते हैं किन राशियों के लिए गुरु का यह नक्षत्र परिवर्तन लाभकारी रहेगा।

मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातकों के लिए गुरु का अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश आर्थिक रूप से लाभकारी रह सकता है।
लंबे समय से रुके हुए काम गति पकड़ेंगे और आमदनी में बढ़ोतरी के अवसर मिल सकते हैं।
किसी महत्वपूर्ण व्यावसायिक समझौते या बड़ी डील को अंतिम रूप दिया जा सकता है।
धन-संपत्ति से जुड़े मामलों में भी सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।
धार्मिक यात्रा का अवसर बन सकता है, जिससे मानसिक शांति भी मिलेगी।

कर्क राशि

कर्क राशि वालों के लिए गुरु का नक्षत्र परिवर्तन कई परेशानियों को कम करने वाला साबित हो सकता है।
मानसिक तनाव में कमी आएगी और जीवन में सुख-सुविधाओं का विस्तार हो सकता है।
कोई नया कार्य शुरू करने के लिए समय अनुकूल रह सकता है।
नौकरी या निजी जीवन से जुड़ी कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

AUS vs BAN 1st Test Live

बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया पर बनाई बढ़तस्कोर 3 विकेट पर 280 पार

Australia vs Bangladesh 1st Test Day-2 LIVE: नमस्कार! अमर उजाला के लाइव ब्लॉग में आपका स्वागत है। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच डार्विन में खेले जा रहे पहले टेस्ट के दूसरे दिन बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में 210 रन बना लिए हैं और ऑस्ट्रेलिया पर 12 रन की बढ़त हासिल कर ली है। तमीम हसन तमिम 93 रन बनाकर शतक से चूक गए। नजमुल हुसैन शांतो 37 रन पर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच डार्विन के मारारा क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे पहले टेस्ट का दूसरे दिन बांग्लादेश की टीम ने ऑस्ट्रेलिया पर बढ़त हासिल कर ली है। बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के 198 रन के जवाब में अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 210+ रन बना लिए हैं। इस तरह मेहमान टीम ने 40+ रन की बढ़त हासिल कर ली है। फिलहाल कप्तान नजमुल शांतो अर्धशतक लगाकर खेल रहे हैं। उनके साथ मुशफिकुर रहीम क्रीज पर हैं। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम की शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही। ट्रेविस हेड और जेक वेदराल्ड ने पहले विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी निभाई। दोनों को हसन महमूद ने पवेलियन भेजा। हेड 22 रन और वेदराल्ड 23 रन बना सके। मार्नस लाबुशेन का टेस्ट में खराब फॉर्म जारी रहा। वह एक रन बनाकर पवेलियन लौटे। उन्हें इबादत हुसैन ने आउट किया। कैमरन ग्रीन और एलेक्स कैरी भी कुछ खास नहीं कर सके और क्रमशः 13 और 19 रन बनाकर आउट हुए। कैमरन को तस्कीन अहमद और कैरी को इबादत ने पवेलियन भेजा। इस बीच स्टीव स्मिथ ने अर्धशतक जमाया। हालांकि, वह इसे बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके। स्मिथ को हसन ने अपना शिकार बनाया। स्मिथ 109 गेंद में सात चौके और एक छक्के की मदद से 71 रन बनाकर आउट हुए। ब्यू वेबस्टर भी 12 रन बनाकर तस्कीन का शिकार बने। कप्तान कमिंस नौ रन, मिचेल स्टार्क एक रन और नाथन लियोन सात रन बनाकर आउट हुए। तीनों को हसन महमूद ने आउट किया। जलवुड चार रन बनाकर नाबाद रहे।

IND vs SL 1st Test: अश्विन की प्लेइंग-11 ने चौंकाया

सरफराज-जुरेल में किसे चुना? पेसर के डेब्यू की भविष्यवाणी

श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपनी संभावित प्लेइंग-11 चुनी है। इसमें उन्होंने ध्रुव जुरेल को सरफराज खान पर तरजीह दी, जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को बाहर रखा। अश्विन ने युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को डेब्यू कराने की संभावना जताकर बड़ा सरप्राइज दिया है। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले भारतीय टीम की प्लेइंग-11 को लेकर चर्चा तेज है। साई सुदर्शन की चोट ने टीम का समीकरण बदला है और उनकी जगह सरफराज खान की वापसी हुई है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि सरफराज को अंतिम-11 में मौका मिलेगा या नहीं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने अपनी टीम चुनकर इस सवाल का जवाब तो दिया ही, साथ ही एक ऐसा नाम भी सामने रखा है, जो सभी को चौंका सकता है। भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। रविचंद्रन अश्विन ने श्रीलंका के खिलाफ गॉल में होने वाले पहले टेस्ट के लिए अपनी संभावित भारतीय प्लेइंग-11 चुनी है। उनकी टीम में सबसे बड़ा सरप्राइज पंजाब के लंबे कद के युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ का नाम है।
अश्विन ने अनुभवी तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को अपनी टीम में जगह नहीं दी है। अश्विन के मुताबिक भारत की तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज और गुरनूर बराड़ संभाल सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो यह गुरनूर का अंतरराष्ट्रीय टेस्ट डेब्यू होगा। अश्विन की प्लेइंग-11 में यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ओपनिंग करेंगे। तीसरे नंबर पर देवदत्त पडिक्कल को जगह दी गई है, जबकि कप्तान शुभमन गिल चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पांचवें और ध्रुव जुरेल छठे नंबर पर होंगे। साई सुदर्शन के समय पर फिट नहीं हो पाने के बाद सरफराज खान को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में वापस बुलाया गया है। इसके बाद से ही चर्चा थी कि क्या उन्हें अंतिम-11 में मौका मिलेगा।

ODI World Cup 2027

वनडे विश्वकप को लेकर हरभजन की कोच गंभीर को खास सलाह

4-5 महीने पहले ही ऐसा कर लेने को कहा

वनडे विश्व कप 2027 में अब करीब एक साल का वक्त है, लेकिन टीम इंडिया को लेकर मंथन अभी से तेज है। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कोच गौतम गंभीर को खास सलाह देते हुए टीम को विश्व कप से चार-पांच महीने पहले तक तय करने की बात कही है। सवाल है कि गंभीर कब तक प्रयोग जारी रखेंगे? वनडे विश्वकप 2027 को आने में अभी लगभग एक साल का वक्त बचा है। हालांकि, सभी टीमें इसकी तैयारियों में जुट गई हैं। कुछ टीमें लगातार प्रयोग कर रही हैं, वहीं कुछ टीमों की नजर अपने कोर खिलाड़ियों को लगातार मौका देने पर है। इसी कड़ी में भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने टीम इंडिया के कोच गौतम गंभीर को खास सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि गंभीर को अभी जितने प्रयोग करने हैं कर लें, लेकिन विश्वकप शुरू होने से चार-पांच महीने पहले टीम तय करना होगा और उन्हें पता होना चाहिए कि कौन से 15 खिलाड़ी विश्वकप खेलने जा रहे हैं।

भज्जी ने गंभीर को क्या दी सलाह?

न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में हरभजन ने कहा, 'भारतीय टीम में कई विकल्प हैं और उनमें से किसी एक को चुनना बेहद मुश्किल है। लेकिन गौतम गंभीर और उनकी कोचिंग टीम को कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्हें उन वेन्यू और कंडीशन का पता करना होगा, जिनमें भारत 2027 वनडे विश्वकप खेलने जा रहा है। गंभीर को फिर उसी के मुताबिक टीम बनानी होगी। एक साल का समय पर्याप्त समय है। मेरा मानना है कि विश्व कप शुरू होने से चार-पांच महीने पहले तक टीम तय हो जानी चाहिए। उन्हें कई चीजों को ध्यान में रखना होगा और अभी से प्रयोग करने होंगे, ताकि उन खिलाड़ियों की पहचान की जा सके जो टूर्नामेंट के दौरान भारत के लिए अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह निभा सकें।'

टीम में कई विकल्प होना अच्छा सिरदर्द'

हरभजन ने कहा, 'भारत के पास कई विकल्प हैं। जब आपके पास कई विकल्प होते हैं तो यह एक अच्छा सिरदर्द है।

हरभजन ने समझाया कोहली और धोनी की कप्तानी में अंतर

गंभीर पर कहा- वह दिल के अच्छे लोगों को सच पसंद नहीं

पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी के बीच अंतर बताते हुए कहा कि कोहली ने टीम की सोच बदल दी। उन्होंने फिटनेस और फील्डिंग में कोहली के योगदान को भी अहम बताया। वहीं, गौतम गंभीर का बचाव करते हुए हरभजन ने कहा कि वह दिल के अच्छे हैं और सच बोलते हैं। भारतीय क्रिकेट में विराट कोहली और एमएस धोनी की कप्तानी के अंदाज में क्या फर्क था और मौजूदा कोच गौतम गंभीर को लेकर लोगों की राय क्यों अलग है? पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने दोनों मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कोहली की कप्तानी की सबसे बड़ी खासियत बताते हुए गंभीर का भी बचाव किया और कहा कि वह दिल के अच्छे इंसान हैं, लेकिन लोगों को उनका सच बोलना पसंद नहीं आता। हरभजन ने 2010-11 के ऑस्ट्रेलिया दौरे का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय कोहली ने रन बनाने के साथ-साथ टीम की सोच पर भी असर डालना शुरू कर दिया था। उनके मुताबिक, धोनी की कप्तानी में जहां कई बार मुश्किल लक्ष्य को हासिल करना लगभग असंभव माना जाता था, वहीं कोहली का रवैया था कि लक्ष्य कितना भी बड़ा हो, उसे हासिल करने की कोशिश जरूर की जानी चाहिए। हरभजन ने कहा, 'विराट ने जो सबसे सरल बदलाव किया, वह मानसिकता का था। टेस्ट के पांचवें दिन कई बार ऐसी स्थिति आती थी जब हमें लगता था

AFG vs IRE ODI: दो शतक 231 रन की साझेदारी और बना ऐतिहासिक स्कोर आयरिश गेंदबाजों पर हावी हुए अफगानी बल्लेबाज

सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान के शतकों की बदौलत अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ 343/9 का स्कोर बनाया। यह वनडे क्रिकेट में अफगानिस्तान का सबसे बड़ा स्कोर है, जबकि अटल-जादरान ने दूसरे विकेट के लिए 231 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ चौथे वनडे मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए इतिहास रच दिया। सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान के शानदार शतकों की बदौलत अफगानिस्तान ने 50 ओवर में नौ विकेट खोकर 343 रन बनाए। यह वनडे क्रिकेट में अफगानिस्तान का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले टीम का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 339 रन था, जो उसने 2024 में श्रीलंका के खिलाफ बनाया था।
अटल-जादरान ने संभाली पारीटॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद इब्राहिम जादरान और सेदिकुल्लाह अटल ने पारी को संभालते हुए आयरिश गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 220 गेंदों में 231 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी की। यह अफगानिस्तान की ओर से दूसरे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है

आखिरी ओवरों में लड़खड़ाई अफगानिस्तान की टीम

अटल और जादरान के आउट होने के बाद अफगानिस्तान की पारी थोड़ी धीमी पड़ गई। दरविश रसूली ने 14 गेंदों में 24 रन बनाए, जबकि अजमतुल्लाह उमरजई 12 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान रहमत शाह सिर्फ 2 रन बना सके। राशिद खान ने 10 गेंदों में 11 रन बनाए, जबकि हशमतुल्लाह शाहिदी 7 रन बनाकर नाबाद रहे। गजनफर खाता नहीं खोल सके। अफगानिस्तान ने आखिरी दो ओवरों में तीन विकेट गंवाए, जिसके कारण टीम 350 रन का आंकड़ा पार करने से चूक गई। आयरलैंड की ओर से बायरन मैकडोनो ने तीन विकेट लिए, जबकि मार्क रिचर्ड एडायर और गेविन होए को दो-दो सफलता मिली। 339 रन का रिकॉर्ड टूटा
अफगानिस्तान के 343 रन के साथ ही टीम ने अपना पिछला वनडे रिकॉर्ड तोड़ दिया। उसने 2024 में श्रीलंका के खिलाफ बनाए 339/6 के स्कोर को पीछे छोड़ते हुए वनडे क्रिकेट में अपना नया सर्वोच्च स्कोर बनाया। अटल और जादरान की शतकीय पारियों ने इस ऐतिहासिक स्कोर की नींव रखी। इब्राहिम जादरान ने शानदार लय में बल्लेबाजी करते हुए 118 गेंदों में 107 रन बनाए। उनकी पारी में 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं, सेदिकुल्लाह अटल ने इससे भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और 120 गेंदों में 143 रन ठोक दिए। उन्होंने अपनी पारी में 17 चौके और चार छक्के लगाए। अटल और जादरान की यह साझेदारी 50 ओवर के प्रारूप में अफगानिस्तान की किसी भी विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इसके अलावा, यह अफगानिस्तान के वनडे इतिहास में केवल चौथा मौका जब एक ही मैच में टीम के दो बल्लेबाजों ने शतक लगाए हैं।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776
@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300